▪ वैशाख कृष्ण - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 275 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 04-05-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तान में चुनाव हों तो राहुल गांधी जीत जाएंगे : हिमंत

6 हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागत योग्य फैसला

7 'पुकार - दिल से दिल तक' में मुख्य भूमिका निभाएंगी सायली सालुंखे

फर्स्ट टेक

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ कर वहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किये हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बांदीपोरा पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट में बताया, ''भारतीय सेना-13 आरआर, बांदीपोरा पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तीसरी बटालियन द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान उत्तरी कश्मीर जिले के चंगाली जंगल अरगाम में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ है।'' पुलिस ने बताया कि आतंकी ठिकाने से एके सीरीज की एक राइफल, चार मैगजीन सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कानून की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

जर्मनी ने रूस को साइबर हमले के नतीजे भुगतने की दी चेतावनी

ब्रसेल्स/एपी। जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने रूस पर उनके देश को निशाना बनाकर साइबर हमले करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को चेतावनी दी कि उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। इस मुद्दे पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय संघ ने भी जर्मनी का समर्थन किया और कहा कि वे साइबर जगत में रूस की 'दुर्भावनापूर्ण' गतिविधि को ऐसे ही नहीं जाने देंगे। यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान जर्मनी द्वारा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य मदद को लेकर पहले ही दोनों देशों के बीच तनाव है। जर्मनी की विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले साल देश की गठबंधन सरकार में प्रमुख पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स पर निशाना साधकर हुए साइबर हमले में रूस के सरकारी हैकर संलिप्त थे।

मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंद किया गया

श्रीनगर/भाषा। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक को शुक्रवार को घर में नजरबंद कर दिया गया और उन्हें यहां जामिया मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी गई। मस्जिद की प्रबंधन समिति ने यह जानकारी दी। अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद ने एक बयान में कहा कि इसके अध्यक्ष को ''आज सुबह अधिकारियों द्वारा उनके आवास पर फिर से नजरबंद कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, उन्हें श्रीनगर की जामिया मस्जिद में लोगों को संबोधित करने की अनुमति नहीं दी गई और न ही जुमे की नमाज अदा करने की अनुमति दी गई। औकाफ ने मीरवाइज को ''बार-बार नजरबंद किए जाने'' पर निराशा व्यक्त की।

04-05-2024 सूर्यास्त 5:46 बजे | 05-05-2024 सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
73,878.15	22,475.85
(-732.96)	(-172.35)

सोना	चांदी
7,370 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	86,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी यूटर्न

लो बजा चुनावी बिगुल पुन:,
फिर से यह मौसम हुआ गर्म।
जो बदमिजाज बेहया रहे,
उनको भी आने लगी शर्म।
जो लिप्त रहे निज कर्मों में,
वे याद कर रहे लोक धर्म।
हो रहे उग्र जो सब पर ही,
वे सब अब होने लगे नर्म।।

राहुल गांधी ने रायबरेली सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया

उनके साथ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा भी थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राहुल गांधी खुद को भारतीय राजनेताओं में शतरंज का सबसे अच्छा खिलाड़ी बताते हैं और ऐसा लगता है कि अपने पहले निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेकर उन्होंने चुनावी बिसात पर बड़ी चाल चल दी है।

राहुल गांधी को उम्मीद है कि उनकी इस चाल से विरोधी चारों खाने चित्त हो जाएंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी इसे कायरतापूर्ण तरीके से मैदान छोड़ने के तौर पर देख रही है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक पोस्ट में बहुप्रतीक्षित फैसले पर कहा, वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं। पार्टी नेतृत्व काफी विचार-विमर्श के बाद और एक व्यापक रणनीति के तहत अपने फैसले लेता है। इस एक फैसले ने भाजपा, उसके समर्थकों और उसके चाटुकारों को भ्रमित कर दिया है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा, भाजपा के स्वयंभू चाणक्य, जो 'परंपरागत सीट' के बारे में बात करते थे, अब समझ नहीं पा रहे हैं कि कैसे प्रतिक्रिया दें।

रमेश द्वारा शतरंज का संदर्भ कांग्रेस द्वारा इस खेल में उनकी (राहुल की) रुचि और राजनीति के साथ इसकी समानता के बारे में बात करते हुए गांधी का एक वीडियो जारी करने के कुछ दिनों बाद आया है। वीडियो में जब गांधी से पूछा गया कि भारतीय राजनेताओं में सबसे अच्छा शतरंज खिलाड़ी कौन है, तो उन्होंने कहा था, मैं।

गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया बंद होने से बमुश्किल एक घंटे पहले दोपहर में उत्तर प्रदेश के इस निर्वाचन क्षेत्र से अपना पर्चा दाखिल किया।

छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला:
ईडी ने 205 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने छत्तीसगढ़ में कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर के बड़े भाई व अन्य व्यक्तियों की 205 करोड़ रुपए मूल्य से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में टुटेजा की 15.82 करोड़ रुपए की 14 संपत्तियां, रायपुर के महापौर व कांग्रेस नेता ऐजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की 116.16 करोड़ रुपए की 115 संपत्तियां, विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू की 1.54 करोड़ रुपए की संपत्तियां और अरविंद सिंह की 12.99 करोड़ रुपए की 33 संपत्तियां शामिल हैं। बयान के अनुसार, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के अधिकारी और आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रुपए की संपत्ति, त्रिलोक सिंह ढिल्लों की 28.13 करोड़ रुपए की नौ संपत्तियां, नवीन केडिया के 27.96 करोड़ रुपए के आभूषण और आशीष सौरभ केडिया/दिशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की 1.2 करोड़ रुपए की चल संपत्ति कुर्क की गई है।

आईएसआई के लिए जासूसी करने को लेकर एक व्यक्ति गिरफ्तार

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। पंजाब के होशियारपुर जिले में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस' (आईएसआई) के लिए कथित रूप से जासूसी करने और उसे भारत-विरोधी गतिविधियों में मदद करने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस व्यक्ति पर भारतीय सैन्य तैनातियों के बारे में संवदेनशील सूचना उपलब्ध कराकर तथा अपने मोबाइल फोन से दस्तावेज एवं फोटो भेजकर भारत-विरोधी गतिविधियों में सहयोग करने का आरोप है।

भारत ने ईरान और इजरायल की यात्रा से प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने ईरान और इज़रायल के बीच संघर्ष की आशंका के मद्देनजर भारतीय नागरिकों के लिए इन दोनों देशों की यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है लेकिन लोगों को यात्रा के दौरान सतर्कता बरतने और भारतीय मिशन के संपर्क में रहने की सलाह दी है। ईरान और इज़रायल के संबंध में यात्रा परामर्श के बारे में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,हम क्षेत्र में स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमने यह भी देखा है कि ईरान और इज़रायल ने कई दिनों से अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया है। हम भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा करते समय सतर्क रहने और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह देते हैं। उल्लेखनीय है कि 12 अप्रैल को विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को परामर्श जारी करके कहा था कि वे तत्कालीन स्थिति को देखते हुए ईरान और इज़रायल की यात्रा नहीं करें।

संविधान में संशोधन की साजिश रच रहा है इंडि समूह : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'इंडि समूह' पर संविधान में संशोधन करने की साजिश रचने का आरोप लगाया और विपक्ष को चुनौती दी कि वह लिखित में यह सुनिश्चित करने के लिए सामने आए कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण कम नहीं होगा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी/एसटी/ओबीसी) का आरक्षण समाप्त नहीं होगा और संविधान में बदलाव नहीं होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के समर्थन में दुर्गापुर, कृष्णानगर और बोलपुर में लगातार तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि संविधान भारत में धर्म आधारित आरक्षण पर रोक लगाता है। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने भी इसका समर्थन किया था। मोदी ने हालाँकि एससी/एसटी/ओबीसी समुदायों को आरक्षण का अधिकार प्रदान करने के लिए संविधान में संशोधन करने के प्रयास के लिए कांग्रेस की आलोचना की, इस कदम पर कर्नाटक में विरोध का सामना करना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए लिखित आश्वासन की आवश्यकता है कि ओबीसी का आरक्षण कम नहीं किया जाएगा, एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण रद्द नहीं किया जाएगा और संविधान अपरिवर्तित रहेगा, जिसके लिए कांग्रेस ने पिछले दस दिनों से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वाम दल और तृणमूल कांग्रेस भी इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने कहा, ये तृणमूल-वाम दल और कांग्रेस वाले क्या कर रहे हैं? वे कहते हैं कि वे डंडे से मोदी का सिर तोड़ देंगे... वे कहते हैं कि मोदी को गोली मार दो... लेकिन मैं दृढ़ हूं। जितना अधिक वे मुझसे नफरत करेंगे, उतना अधिक मैं अपने देशवासियों की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा, मौजूदा राजनीतिक खेल में शामिल सभी परिवार, जिनमें कांग्रेस राजघराना, तृणमूल और वामपंथी परिवार शामिल हैं, चुप रहकर मोदी की वोट जिहाद याचिका का मौन समर्थन कर रहे हैं। मुझ पर हमला करने से देशवासियों की सेवा करने की मेरी भावना और बढ़ गई है, क्योंकि पूरे भारत में मेरे 140 करोड़ लोगों को छोड़कर मुझे किसी भी तरह का खतरा नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आप सबका प्यार देख कर धन्य हो गया हूं। जितना मैंने सोचा था, उससे कहीं अधिक प्यार मिला। यदि मेरा लक्ष्य केवल प्रधानमंत्री पद पर बने रहना, उसके लाभों का आनंद लेना होता, तो मैं इसे केवल एक महीने में हासिल कर सकता था, लेकिन मैं यहां एक ही संकल्प के साथ आया हूं- आपकी सेवा करने का, अपने देश की सेवा करने का।

'भाजपा को वोट देने' का आग्रह करने संबंधी अधीर का वीडियो फर्जी : बंगाल पुलिस

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी द्वारा लोगों से कथित तौर पर ''भाजपा को वोट देने'' का आग्रह करने वाला वीडियो फर्जी है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि इस वीडियो 'क्लिप' के सिलसिले में जंगीपुर पुलिस थाने में एक अलग मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा, ''हमारी साइबर टीम ने पाया कि वीडियो के एक हिस्से को काट दिया गया है और फिर वीडियो का प्रसार किया गया। चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए शायद ऐसा किया गया। हमने जंगीपुर पुलिस थाने में एक अलग शिकायत दर्ज की है।'' उन्होंने कहा कि पुलिस वीडियो के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

भगवान राम का विरोध करते हैं 'इंडि' गठबंधन के सदस्य : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाहोद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के सदस्य राष्ट्रविरोधी ताकतों का समर्थन कर रहे हैं और वे भगवान राम के खिलाफ हैं। नड्डा ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव की कोशिश कर रही है।

गुजरात के दाहोद में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'इंडि' गठबंधन के कई नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं और यह परिवारवादी पार्टियों और भ्रष्ट लोगों का गठजोड़ बन गया है। नड्डा ने कहा, सोनिया गांधी के नेतृत्व में संप्रग सरकार ने शीर्ष अदालत में एक हलफनामा दाखिल किया था कि भगवान राम काल्पनिक हैं और उनके अस्तित्व को साबित करने के लिए कोई ऐतिहासिक या वैज्ञानिक आधार नहीं हैं। उन्होंने अड़चन पैदा करने की कोशिश की, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अदालत के माध्यम से (राम मंदिर निर्माण का) रास्ता साफ कराया। उन्होंने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार का जिक्र करते हुए कहा, जब संसद पर हमले के मास्टरमाइंड अफजल गुरु, जिसे फांसी पर लटका दिया गया था, के समर्थन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में नारे लगाए गए... तो अगले ही दिन राहुल गांधी उनका समर्थन करने के लिए जेएनयू पहुंच गए। उन्होंने आतंकवादी अफजल गुरु का समर्थन करने वाले टुकड़े-टुकड़े गिरोह का समर्थन किया और उनकी पार्टी ने गिरोह के एक सदस्य को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया।

अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में कांग्रेस सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक फर्जी वीडियो को कथित रूप से सोशल मीडिया पर साझा करने और इसे प्रसारित करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कांग्रेस के एक सदस्य अरुण रेड्डी को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अरुण रेड्डी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'स्पिरिट ऑफ कांग्रेस' नाम के खाता को संभालते हैं। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने शाह के फर्जी वीडियो को लेकर 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) की शिकायत पर रविवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आई4सी की शिकायत में कहा गया है कि वीडियो में शाह के बयान में धार्मिक आधार पर मुस्लिमों का कोटा खत्म करने की प्रतिबद्धता की बात है, जबकि छेड़छाड़ करके प्रसारित किए गए फर्जी वीडियो को देखकर लगता है कि शाह सभी तरह का आरक्षण खत्म करने की वकालत कर रहे थे।

तेलंगाना में पांच कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार, मिली जमानत

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद पुलिस ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाल में वायरल 'फर्जी वीडियो' के मामले में तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के पांच सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों को एक स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया गया जिसने उन्हें 10-10 हजार रुपए के दो मुचलकों पर जमानत दी।

अदालत ने उन्हें अगले आदेश तक सोमवार और शुक्रवार को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। पुलिस के बयान में कहा गया कि उसे 27 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नेताओं से शिकायत मिली थी।

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन, 2000 से अधिक लोग गिरफ्तार

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका में 30 से अधिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में गुरुवार को युद्ध-विरोधी प्रदर्शन पुलिस की सख्ती के कारण और उग्र हो गया तथा देशभर में 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) की पुलिस के अनुसार अनुरोध के बावजूद क्षेत्र से हटने से इनकार करने के बाद, गुरुवार को परिसर में फिलिस्तीन समर्थक विरोध शिविर में 2000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बुधवार शाम छह बजे (0100 जीएमटी गुरुवार) को शिविर को गैरकानूनी सभा घोषित कर दिया और प्रदर्शनकारियों को छोड़ने का आदेश दिया। विश्वविद्यालय ने कहा कि शिविर में बचे किसी भी छात्र को निष्कासन तक की अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जबकि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को बर्खास्तगी का सामना करना पड़ सकता है। लगभग नौ घंटे के गतिरोध के बाद, सैकड़ों की संख्या में दंगा पुलिस ने गिरफ्तारियां करना शुरू कर दी।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में 18 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन कर रहे सौ से अधिक छात्रों की गिरफ्तारी के बाद से, कई अमेरिकी परिसरों में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन देखे गए हैं। छात्र विश्वविद्यालयों को इजरायल से संबंधित कंपनियों से अलग करने और गाजा में युद्धविराम के आह्वान करने की मांग कर रहे हैं। फ्लोरिडा और अन्य प्रांतों में पुलिस ने कैंपस की सभाओं को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

रोहित वेमुला दलित नहीं था

तेलंगाना पुलिस ने अदालत में दाखिल क्लोजर रिपोर्ट में बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित वेमुला की मौत की जांच कर रही पुलिस ने स्थानीय अदालत के समक्ष मामले को बंद करने की रिपोर्ट जमा की है जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था और उसने 'असली पहचान'जाहिर होने के डर से आत्महत्या की थी। मामले की जांच कर रही साइबराबाद पुलिस ने अदालत को बताया कि रोहित वेमुला अनुसूचित जाति (एससी) का नहीं था और उसे इसकी जानकारी थी। वेमुला ने 2016 में आत्महत्या कर ली थी।

रिपोर्ट में कहा गया, ''इसके अलावा मृतक को खुद भी पता था कि वह अनुसूचित जाति का नहीं है और उसकी मां ने उसे एससी का प्रमाण पत्र बनवाकर दिया था। यह निरंतर भय में से एक हो सकता है क्योंकि इसके उजागर होने के परिणामस्वरूप उनकी शैक्षणिक उपाधि वापस ली जा सकती थी जो उसने वर्षों में अर्जित की थीं और अभियोजन का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता।'' इसमें कहा गया है, ''मृतक को कई मुद्दे परेशान कर रहे थे जिसके कारण वह आत्महत्या कर सकता था।'' रिपोर्ट के मुताबिक, ''तमाम कोशिशों के बावजूद, यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला कि आरोपियों के कृत्यों ने मृतक को आत्महत्या के लिए उकसाया।'' इस मामले में हैदराबाद विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति अप्पा राव पोडिले और हरियाणा के निवर्तमान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय बतौर आरोपी नामजद थे।

राजनाथ का राहुल पर निशाना : भारत को 56 इंच के सीने वाला नेता चाहिए, मैदान से भागने वाला नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोहतक/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 56 इंच के सीने वाले नेता की जरूरत है, न कि युद्ध से भागने वाले नेता की, साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अमेठी छोड़कर रायबरेली से चुनाव लड़ने को लेकर मजाक उड़ाया। वरिष्ठ भाजपा नेता ने यहां एक जनसभा में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके जैसे लोग देश का नेतृत्व करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कई नेता चाहते थे कि राहुल अमेठी से चुनाव लड़ें लेकिन उन्होंने ''भागने'' का विकल्प चुना।

सिंह ने कहा, वह अमेठी से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा सके...मुझे चिंता है कि इस लड़ाई से भागने के बाद उन्हें कोई अन्य नाम दिया जा सकता है। उन्होंने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, उनके (गांधी) जैसे लोग देश का नेतृत्व करना चाहते हैं। देश का नेतृत्व करने के लिए आपके पास 56 इंच का सीना होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर खुद को 56 इंच के सीने वाला नेता बताते हैं ताकि यह स्पष्ट कर सकें कि वह मजबूत और निर्णय लेने वाले हैं।

कांग्रेस ने आज घोषणा की कि राहुल गांधी अमेठी के बजाय रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा में तीन बार अमेठी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बाद राहुल गांधी 2019 में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। हालांकि, उन्होंने केरल की वायनाड सीट से जीत हासिल की थी। उनकी मां सोनिया गांधी 2004 से रायबरेली सीट से जीतती आ रही हैं और अब राज्यसभा सदस्य बन गई हैं। सिंह ने दावा किया कि चुनाव खत्म होने के साथ ही कांग्रेस का भी सफाया हो जाएगा। सिंह ने पाकिस्तानी नेता चौधरी फवाद हुसैन द्वारा राहुल गांधी की प्रशंसा करने पर भी कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि विगत में हुसैन ने भारत में पुलवामा आतंकी हमले का समर्थन किया था। भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को निशाना बनाए जाने के संदर्भ में सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने संदेश दिया है कि वह सीमा के अंदर और बाहर अपने दुश्मनों को निशाना बना सकता है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत देश के रूप में उभरा है जिसकी आवाज सुनी जाती है।

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत ने यह संदेश दिया है कि वह (आतंकवादियों को) अपनी सीमा के अंदर भी मार सकता है और बाहर भी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद महात्मा गांधी चाहते थे कि कांग्रेस को भंग कर दिया जाना चाहिए और उसे राजनीति में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लोगों को चुनाव में उनकी इच्छा पूरी करनी चाहिए और मुख्य विपक्षी दल को खत्म कर देना चाहिए।

उद्धव 'नकली' शिवसेना चला रहे, असली पार्टी एकनाथ शिंदे के पास : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रत्नागिरि (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ''नकली'' शिवसेना का संचालन कर रहे हैं और असली पार्टी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जी की है।

रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे अपने कैबिनेट सहयोगी नारायण राणे के लिए प्रचार करने के वास्ते रत्नागिरी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने का मतलब देश को सुरक्षित बनाना है। शाह ने कहा, उद्धव ठाकरे 'नकली' शिवसेना चला रहे हैं, असली शिवसेना एकनाथ शिंदे के पास है। उन्होंने कहा कि कि ठाकरे को स्पष्ट करना चाहिए कि वह मुख्यमंत्री पद चाहते हैं या कांग्रेस और राकांपा जिन्होंने अनुच्छेद 370 का बचाव किया था। शाह ने कहा, मैं आज उद्धव जी से पूछना चाहता हूं कि आप महाराष्ट्र की जनता और बाला साहेब के अनुयायियों के सामने स्पष्ट कर दो कि आपको मुख्यमंत्री पद चाहिए या धारा 370 की संरक्षक कांग्रेस और राकांपा चाहिए।

छत्तीसगढ़: बीएसएफ जवानों की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई, 17 जवान घायल

रायगढ़/भाषा। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में चुनाव ड्यूटी पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसफ) के जवानों की बस शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना में 17 जवान घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना सुबह 11 बजे जिले के धरमजयगढ़ क्षेत्र के चहला गांव के पास की है। उन्होंने बताया कि बीएसएफ के 32 जवान बस में सवार होकर मतदान केंद्रों का मुआयना करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि जब वे धरमजयगढ़ के सुदूर पहाड़ी इलाके में स्थित छूही पहाड़ के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर लौट रहे थे तभी चहला गांव के करीब बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में 17 जवान घायल हो गए, जिनमें से 13 जवानों का उपचार धरमजयगढ़ के अस्पताल में किया जा रहा है और जिन चार जवानों को ज्यादा चोटें आई हैं उन्हें रायगढ़ मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिलाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

अडाणी समूह की सात कंपनियों को सेबी ने भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से सात को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन के कथित उल्लंघन और सूचीबद्धता नियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनियों ने शेयर बाजारों को इस नोटिस के बारे में सूचना दी है। सेबी का नोटिस पाने वाली कंपनियों में अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के साथ अडाणी ग्रीन एनर्जी लि., अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडाणी पावर, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर शामिल हैं।

इन कंपनियों ने जनवरी-मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2023-24 के अपने-अपने वित्तीय परिणामों से संबंधित टिप्पणियों में सेबी की तरफ से जारी नोटिस का खुलासा किया है। सभी कंपनियों ने कमोबेश एक ही तरह के बयानों में कहा कि लागू कानूनों और विनियमों का कोई भी गैर-अनुपालन का कोई भी ठोस मामला नहीं है और उन पर इसका कोई कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी टोटल गैस और अडाणी विल्मर के अलावा बाकी चार कंपनियों के ऑडिटरों ने वित्तीय विवरणों पर एक पात्र विचार रखते हुए कहा है कि सेबी की जांच के परिणामों का भविष्य में उनके वित्तीय विवरणों पर असर पड़ सकता है।

चंद्रशेखरन ने आईआईटी-बंबई के स्नातकों से कहा, समाज, राष्ट्र के भविष्य के बारे में सोचना शुरू कीजिए

मुंबई/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को आईआईटी-बंबई के स्नातक छात्रों से आग्रह किया कि वे समाज और राष्ट्र के भविष्य में योगदान के बारे में सोचना शुरू करें। उन्होंने यहां संस्थान में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों को भरोसा कायम करने, चरित्र निर्माण और एक उद्देश्यपूर्ण करियर पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

चंद्रशेखरन ने कहा, यह सोचना चाहिए कि आप हमारे समाज और राष्ट्र के भविष्य में कैसे योगदान देंगे। ऐसा उद्देश्य आपके जीवन को समृद्ध करेगा और मैं आपको गारंटी देता हूं कि इससे आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - बंबई के छात्रों से कहा कि वे विभिन्न क्षेत्रों में बहुत बड़ा प्रभाव पैदा करेंगे। उनमें से कुछ उद्यमी बनेंगे, कुछ शिक्षा क्षेत्र में जाएंगे या शोधकर्ता के रूप में विज्ञान का अध्ययन करेंगे या उनमें से कुछ नोबेल पुरस्कार विजेता भी बन सकते हैं। चंद्रशेखरन ने टाटा समूह का जिक्र करते हुए कहा कि समूह में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी धर्मार्थ ट्रस्टों के पास है और इसलिए समाज सेवा का उद्देश्य बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि समूह की कंपनियों से होने वाले लाभ का उपयोग कैंसर अस्पताल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च या टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज बनाने के लिए किया गया है। चंद्रशेखरन ने कहा कि लोगों ने टाटा समूह को 150 से अधिक वर्षों से काम करते देखा है और इसीलिए समूह ने लगातार अपने आचरण से भरोसा कायम किया है।

शाह की टिप्पणी पर बोले ओवैसी, रजाकार चले गए, देश के प्रति वफादार लोग यहीं रह गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर पलटवार करते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जो रजाकार थे वे पाकिस्तान भाग गए और जो देश के प्रति वफादार हैं वे यहीं रह गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि 40 साल से हैदराबाद लोकसभा सीट पर रजाकारों का कब्जा है।

बृहस्पतिवार रात एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए औवेसी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अक्सर (हैदराबाद लोकसभा सीट के बारे में) बयान देते हैं कि 'रजाकारों ने 40 साल तक शासन किया है, पुराना शहर (हैदराबाद) आईएसआईएस का अड्डा है और सर्जिकल स्ट्राइक की जाएगी'। उन्होंने पूछा कि पुराने शहर हैदराबाद (जो मुख्य रूप से लोकसभा सीट है) के प्रति शाह और उनकी पार्टी के लोगों के अंदर इतनी नफरत क्यों है। उन्होंने कहा, यहां कोई रजाकार नहीं हैं। यहां इंसान रहते हैं। जो रजाकार थे वे पाकिस्तान भाग गए। जो देश के प्रति वफादार हैं वे यहीं रह गए और 40 साल से आरएसएस को हरा रहे हैं और इस बार फिर से आपको और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराएंगे।

देश 1947 में आजाद हुआ तब 562 रियासतों में से 559 रियासतें भारतीय संघ में शामिल हो चुकी थीं लेकिन कश्मीर, जूनागढ़ और हैदराबाद रियासत ने कोई फैसला नहीं लिया था। हैदराबाद की 85 फीसदी आबादी हिंदू थी जो भारत के साथ जाना चाहती थी, लेकिन तब के निजाम उस्माम अली चाहते थे कि हैदराबाद एक अलग मुल्क हो। इसके लिए उन्होंने एक सेना बनाई थी जिसे रजाकार कहा जाता था। ओवैसी ने कहा, हिंदू भाई' हैदराबाद संसदीय क्षेत्र में रहते हैं, जिनमें दलित, पिछड़े वर्ग के लोग, राजस्थान और विभिन्न अन्य समुदायों के लोग शामिल हैं। शाह की टिप्पणी पर औवेसी ने कहा कि इस बार किसी को डराने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन क्षेत्र में कोई भी डरा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि अमित शाह को उनके खिलाफ हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहिए था।

ओवैसी ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता को पता चल गया है कि हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र में हवा किस दिशा में बह रही है। उन्होंने कहा, यह कहना कि रजाकारों ने 40 साल से कब्जा कर रखा है..., क्या हैदराबाद भारत का अटूट हिस्सा नहीं है? हैदराबाद भारत का अटूट हिस्सा है और रहेगा, लेकिन देश के गृह मंत्री घबराए हुए हैं...।

अमित शाह ने बुधवार को हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवार के माधवी लता को चुनने और इस संसदीय सीट को 'रजाकारों' से 'मुक्त' कराने का आग्रह किया था।

रुपयों के लालच में युवती की हत्या की, दो लोग गिरफ्तार

फरीदाबाद/भाषा। फरीदाबाद में एक युवती की हत्या कर शव को यमुना नदी में फेंकने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले की निवासी रेणु (24) का शव 21 मार्च को जिले के छायंसा थाना क्षेत्र में यमुना नदी में मिला था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरुग्राम के गांव जखोपुर के निवासी दीपक (31) और कृष्णा (30) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दीपक रेणु को पहले से जानता था और रुपयों के लालच में उसने वारदात को अंजाम दिया।

सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) अमन यादव ने बताया, रेणु एक किफायती घर की तलाश में गुरुग्राम आई हुई थी और उसने इसके लिए दीपक से संपर्क किया। दीपक को पता चला कि रेणु के पास अच्छी खासी धनराशि है और वह लालच में आ गया। उन्होंने कहा, दीपक ने रेणु से अपने खाते में 30 लाख रुपए डलवा लिए। इसके बाद घुमाने के बहाने वह रेणु को फरीदाबाद में कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेसवे पर ले गया। यहां अपने साथी कृष्ण के साथ मिलकर उसने रेणु की हत्या कर दी। यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर झुकने से पायलट घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में शुक्रवार को एक हेलीकॉप्टर नीचे उतरते समय एक ओर झुक गया जिससे उसका पायलट घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर को इन दिनों चल रहे लोकसभा चुनावों के सिलसिले में एक सार्वजनिक रैली के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे को लेने जाना था। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे पायलट ने महाड में एक अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतारने की कोशिश की और उस दौरान हेलीकॉप्टर एक ओर झुक गया।

उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जब हेलीकॉप्टर नीचे उतरते हुए जमीन के बेहद नजदीक था तब उसकी तेज हवा से उड़े धूल के गुबार की वजह से यह हादसा हुआ होगा।

घार्गे ने बताया कि हेलीकॉप्टर को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है और उसके 'रोटर ब्लेड' टूट गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में पायलट को चोटें आईं तथा उसे अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि अंधारे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सेना (यूबीटी) द्वारा नामित महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवार अनंत गीते की चुनावी रैली के लिए महाड में थे।

शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे फेसबुक के माध्यम से हेलीकॉप्टर की लैंडिंग की लाइव स्ट्रीमिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने भाई विशाल गुप्ते के साथ चुनाव प्रचार अभियान के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पुणे जिले के बारामती जाना था। उन्होंने कहा हमें एहसास हुआ कि हेलीकॉप्टर आ रहा था, लेकिन उसे उतरने में समय लग रहा था। अचानक, यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और धूल के गुबार से ढक गया।

अंधारे ने कहा कि पायलट और सह-पायलट को ''कोई बड़ी चोट नहीं आई है, लेकिन वे सदमे में हैं।

अविवाहित युवती ने नवजात शिशु को लिफाफे में डालकर सड़क पर फेंका

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि में शुक्रवार को दिल दहला देने वाला मामला सामने आया जहां 23 वर्षीय एक युवती ने न केवल गर्भवती होने की बात छुपाई बल्कि स्नानघर में बच्चे को जन्म देने के बाद कथित रूप से नवजात शिशु को लिफाफे में डाल कर घर के बाहर ही सड़क पर फेंक दिया। घटना बंदरगाह शहर के पॉश इलाके पनमपिल्ली नगर की है। पुलिस का कहना है कि युवती को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस को युवती का यौन उत्पीड़न होने की आशंका है। पुलिस ने कहा कि 'अमेजन' के 'डिलीवरी पैकेट' पर लिखे पते का उपयोग करके युवती का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलईटी के आतकंवादी की संपत्ति कुर्क

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) ने शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकवादी की संपत्ति कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अदालत के आदेश का पालन करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मंजाकोटे तहसील के पंजग्रेन गांव में एलईटी के आतंकवादी अब्दुल हमीद खान की अचल संपत्ति अदालत कुर्क की गई। उन्होंने कहा कि एसआईए ने खान के साथ-साथ अन्य सहयोगियों मोहम्मद रफीक खान और गुरपाल सिंह के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने कहा कि अब्दुल हमीद खान 1992 में राजौरी के अन्य युवाओं के साथ हथियारों के प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान में घुसपैठ कर चुका था और फिलहाल वह लश्कर के लिए पाकिस्तान से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि खान राजौरी में कई आतंकवादी हमलों और गतिविधियों शामिल रहा है।

मनसे लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही, फिर भी भाजपा और शिवसेना की नजरें राज ठाकरे पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना का समर्थन हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के नेता लगातार मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात कर रहे हैं, हालांकि, उनकी पार्टी इस बार चुनाव मैदान में नहीं है। इस सप्ताह के शुरू में मुख्यमंत्री शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे और पार्टी नेता नरेश म्हस्के ने शिवाजी पार्क स्थित मनसे प्रमुख के आवास पर जा कर उनसे मुलाकात की। शिवसेना ने श्रीकांत शिंदे को कल्याण लोकसभा सीट से जबकि नरेश म्हसके को ठाणे से मैदान में उतारा है। अधिवक्ता से नेता बने उज्ज्वल निकम ने भी ठाकरे से मुलाकात की थी। भारतीय जनता पार्टी ने निकम को मुंबई उत्तर मध्य से मैदान में उतारा है।

भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गठजोड़ वाली महायुति के नेता पिछले कुछ समय से समर्थन हासिल करने के लिए राज ठाकरे के चक्कर काट रहे हैं जिन्होंने 2006 में मनसे की स्थापना की थी। मुंबई में मनसे की वार्षिक 'गुड़ी पड़वा' रैली के दौरान पिछले महीने राज ठाकरे ने कहा था कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बिन शर्त समर्थन देने की घोषणा की थी। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में प्रचार करने के लिए भी कहा था।

'मराठी मानुष' का नारा देने वाली मनसे को 2009 के लोकसभा चुनाव में एक भी सीट जीतने में कामयाबी नहीं मिली। हालांकि, प्रदेश में उनकी पार्टी ने शिवसेना-भजपा गठबंधन के वोटों को गहरा नुकसान पहुंचाया था, खास तौर से मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक में। उसी साल हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी को 13 सीटें मिली थी। मनसे को 2014 के लोकसभा चुनाव में भी जीत नहीं मिली थी। 2014 तथा 2019 के विधानसभा चुनावों में पार्टी को एक-एक सीट मिली थी। पार्टी ने 2019 का आम चुनाव नहीं लड़ा था। राजनीतिक टीकाकार प्रकाश अकोलकर ने कहा कि राज ठाकरे को भले ही चुनावी सफलता नहीं मिली हो लेकिन वह दमदार नेता हैं। वह शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ आक्रामक तरीके से बोलते हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने की गैंगस्टर और मादक पदार्थ तस्करों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

जम्मू/भाषा। पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के जम्मू और सांबा जिलों में एक गैंगस्टर और मादक पदार्थ तस्करों की करोड़ों रुपए की संपत्ति कुर्क की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने जिले के अखनूर इलाके में कुख्यात गैंगस्टर मुकेश कुमार उर्फ गेशा की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। उन्होंने बताया कि मुकेश कुमार काफी समय से फरार है और उसके खिलाफ जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट की ओर से सख्त सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत वारंट जारी किया गया है। पीएसए के तहत वारंट के निष्पादन से बचने की उनकी टाल-मटोल की रणनीति नवीनतम पुलिस कार्रवाई के साथ समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि अखनूर उपमंडल में स्थित कुर्क की गई संपत्तियां गैंगस्टर की गलत कमाई के पर्याप्त सबूत के रूप में खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मुकेश कुमार की गिरफ्तारी से स्पष्ट संदेश जाता है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां न्याय को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ हैं।

एआई कंप्यूट की बढ़ती मांग को पूरा करने को तैयार है एएमडी : सीटीओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चिप विनिर्माता एएमडी अपने विस्तृत उत्पाद खंड के साथ एआई कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। एआई कंप्यूट से तात्पर्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता या मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा के प्रसंस्करण से है। एएमडी के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) मार्क पेपरमास्टर ने शुक्रवार को एक ब्लॉग में लिखा कि कंपनी के पिछले पांच वर्षों के वृद्धि और नवाचारों पर नजर डाली। साथ ही आगामी पांच वर्षों का पूर्वानुमान लगाया।

पेपरमास्टर ने एएमडी (एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज) के 55 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का भविष्य खुले परिवेश तंत्र और गहन उद्योग साझेदारियों से उत्पन्न होता है जो सच्चे नवाचार को बढ़ावा देंगे। पेपरमास्टर ने लिखा, कंप्यूट इंजनों के अपने व्यापक खंड, विभिन्न बाजारों में ग्राहकों के साथ गहरे संबंधों और ओपन सॉफ्टवेयर क्षमताओं के आधार पर हम एआई कंप्यूट की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास क्लाउड और एंटरप्राइज में डेटा सेंटर उत्पादों और ग्राहक सहयोग तथा एआई पीसी के लिए नेतृत्व उत्पादों का एक मजबूत आधार है। एएमडी ने इस महीने की शुरुआत में वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में राजस्व 5.47 अरब अमरीकी डॉलर (लगभग 45.6 करोड़ रुपए) रहने की जानकारी दी थी। यह सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि है।

नए पंबन पुल का निर्माण कार्य जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। नए पंबन पुल का निर्माण कार्य जोरों पर है। यह 2,070 मीटर लंबा वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल है, जो तमिलनाडु के रामेश्वरम में मौजूदा पंबन ब्रिज के समानांतर बनाया जा रहा है। यह संरचना भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल होगी। नए पुल में समुद्र के पार 100 स्पैन होंगे, जिनमें से 99 स्पैन 18.3 मीटर और एक 72.5 मीटर का होगा।

यह मौजूदा पुल से 3 मीटर ऊंचा होगा। भविष्य में दोहरीकरण को समायोजित करने के लिए दो ट्रैकों के लिए सबस्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है और सिंगल लाइन के लिए सुपरस्ट्रक्चर प्रदान किया जा रहा है। बीस फरवरी, 2019 को अनुदान 2018-19 की अनुपूरक मांगों के तहत पंबन पुल के पुनर्निर्माण को मंजूरी दी गई थी।

आरडीएसओ मानक तकनीकी आवश्यकता के अनुसार, समुद्र तट से पर्याप्त दूर, सत्तिरक्कुडी रेलवे स्टेशन पर फैब्रिकेशन कार्यशाला स्थापित की गई थी और इसे आरडीएसओ (अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन) द्वारा अनुमोदित किया गया था।

एप्रोच स्पैन के लिए स्टील प्लेट गर्डर, नेविगेशनल स्पैन के लिए ओपन वेब गर्डर और टॉवर का निर्माण इस कार्यशाला में किया जा रहा है और फिर संयोजन और लॉन्चिंग के लिए ब्रिज साइट पर ले जाया जा रहा है।

इसलिए किया जा रहा नए पुल का निर्माण

- 110 साल पुराने पुल ने अपना जीवन पूरा कर लिया है।
- मौजूदा पुल का शेज़र स्पैन (डबल बास्क्यूल) पिछले कुछ वर्षों में खराब हो गया है।
- दो किमी लंबे पुल पर 10 किमी प्रति घंटे की स्थायी गति प्रतिबंधित है।
- लिफ्ट स्पैन के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत के लिए कई महीनों तक पुल पर यातायात को रोका गया था।
- शुरुआत में शेरज़र स्पैन को वर्टिकल लिफ्ट स्पैन से बदलने का निर्णय लिया गया।

काम की मौजूदा स्थिति

- 333 पाइल और 101 पाइल कैप्स वाली सभी उपसंरचनाएं पूरी हो चुकी हैं।
- सभी 99 एप्रोच गर्डर्स तैयार किए जा चुके हैं और 76 लॉन्च किए जा चुके हैं।
- लिफ्ट स्पैन की गति के बाद, शेष 23 स्पैन को पंबन छोर से लॉन्च किया जा रहा है।
- लिफ्ट स्पैन का निर्माण कर लिया गया है और इसे लॉन्च किया जा रहा है। 428 मीटर में से इसे 200 मीटर के लिए लॉन्च किया गया है।
- मंडपम छोर से 1.50 किमी तक ट्रैक को जोड़ा गया है और मालगाड़ी (ओएचई मास्ट्स के साथ बीएफआर) की आवाजाही का परीक्षण किया गया है।
- 0.60 किमी की शेष लंबाई का ट्रैक पंबन एंड से एप्रोच स्पैन की शुरुआत के साथ बिछाया जाएगा।
- पुल साल 2024 के आखिर से पहले पूरा हो जाएगा और रेल यातायात के लिए चालू कर दिया जाएगा।

केरल, दक्षिण तमिलनाडु के तटीय हिस्सों में समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी

तिरुवनंतपुरम। केरल और दक्षिण तमिलनाडु के तटीय इलाकों में मछुआरों एवं स्थानीय निवासियों को चेतावनी दी गई है कि शनिवार तड़के ढाई बजे से रविवार रात साढ़े 11 बजे तक समुद्र में ऊंची लहरी उठ सकती हैं। मौसम एजेंसियों ने यह जानकारी दी। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (आईएनसीओआईएस) के अनुसार, इस अवधि के दौरान समुद्र में 0.5 से 1.5 मीटर ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

आईएनसीओआईएस, एक केंद्रीय एजेंसी है जो देश में मछुआरों को समुद्री मौसम के बारे में चेतावनी जारी करती है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) और अन्य मौमस एजेंसियों ने एक बयान में लोगों को अधिकारियों के निर्देश के अनुसार खतरनाक क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने यहां एक बयान में कहा, नौकाओं के बीच एक सुरक्षित दूरी रखकर उनके आपस में टकराने को टाला जा सकता है। मछली पकड़ने के उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।''

एजेंसियों ने लोगों को तटों से दूर रहने और समुद्र में नहीं उतरने की भी सलाह दी है। आईएनसीओआईएस के अनुसार, हिंद महासागर के दक्षिणी हिस्से में तेज हवाएं चलने के परिणामस्वरूप समुद्र में ऊंची लहरें उठती हैं। इस परिस्थिति को 'कल्लक्कडल' नाम से जाना जाता है।

'मिया बाय तनिष्क' विस्तार की राह पर

तमिलनाडु में चार खुदरा स्टोर खोले

चेन्नई। टाटा समूह के आभूषण ब्रांड 'मिया बाय तनिष्क' ने अपने विस्तार अभियान के तहत तमिलनाडु में चार नए स्टोर खोले हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस अवसर पर ब्रांड ने पांच मई तक मिया के उत्पादों पर 20 प्रतिशत तक की छूट देने की पेशकश की है।

कंपनी ने यहां एक बयान में कहा कि उसने चेन्नई में केली, अड्यार और वेलाचेरी में एक-एक स्टोर और तिरुप्पुर जिले में एक अन्य स्टोर खोला है। 'मिया बाय तनिष्क' की कारोबार प्रमुख श्यामला रमणन ने कहा, ''पिछले साल, हमने तमिलनाडु में 12 नये 'मिया बाय तनिष्क' स्टोर खोले थे और हमें जबरदस्त प्रतिक्रिया से खुशी हुई। हम चेन्नई (तीन) और तिरुप्पुर (एक) में चार नए स्टोर खोल रहे हैं।'' रमणन ने कहा, ''मिया आज की महिलाओं की जरूरतों को समझती है। हमारे उत्पाद हल्के वजन के हैं और इनके डिजाइन फैशन के अनुसार हैं।''

शारजाह से आई महिला यात्री से 1.07 करोड़ का सोना जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शारजाह से हाल ही में यहां पहुंची एक महिला यात्री के पास से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया गया। सीमा शुल्क विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि विशेष जानकारी मिलने पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने एक मई को यहां अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पर यात्री को रोका। महिला सोना अपने अंदरूनी कपड़ों में सोना छिपाकर ले जा रही थी।

उसके अंदरूनी कपड़ों से बरामद कीमती धातु पेस्ट के रूप में थी, जिसका वजन 1.69 किलोग्राम और मूल्य 1.07 करोड़ रुपये है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि महिला यात्री को गिरफ्तार किया गया और अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

असम के युवक की जान लेने के आरोप में तमिलनाडु का निवासी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोट्टायम। केरल पुलिस ने असम के एक युवक की जान लेने के आरोप में तमिलनाडु के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए 29 वर्षीय आरोपी का नाम पंडी दुरई है। असम के युवक लाइमन किस्क का शव 28 अप्रैल को कंक्रीट प्लांट के कचरा निस्तारण वाले गड्ढे में मिला था। उसकी उम्र 19 साल थी।

पुलिस ने बताया कि 26 अप्रैल को जब किस्क यहां वकाथनम के पास कंक्रीट मिक्सर मशीन की सफाई कर रहा था तभी कंपनी के प्लांट संचालक दुरई ने मिक्सर मशीन चालू कर दी। पुलिस ने कहा कि जब किस्क गिर गया तो दुरई ने खुदाई मशीन का इस्तेमाल करक उसके शव को कचरे के गड्ढे में डाल दिया। पुलिस ने कहा कि बाद में उसने संयंत्र से गारा (सीमेंट का पतला मसाला) इकट्ठा किया और उसे गड्ढे में किस्क के शव पर फेंक दिया। शव दो दिन बाद बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी दुरई ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ भी छेड़छाड़ की थी। वह संयंत्र में इलेक्ट्रिक ऑपरेटर भी है। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से उसे तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तमिलनाडु पशु नीलगिरि तहर पर पहला सर्वेक्षण किया

चेन्नई। तमिलनाडु के वन विभाग ने पहली बार नीलगिरि तहर पर सर्वेक्षण किया और अब से तीन सप्ताह के भीतर आंकड़े उपलब्ध होने की संभावना है। पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय रूप से 'वराई आडू' के नाम से जाना जाने वाला नीलगिरि तहर राज्य पशु है। यह लुप्तप्राय प्रजाति पश्चिमी घाट की एक स्थानीय प्रजाति है। साहू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि तमिलनाडु वन विभाग द्वारा नीलगिरि तहर पर पहला सर्वेक्षण एक मई को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि आंकड़े संग्रह करने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि इस सर्वेक्षण के लिए वन कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और स्वयंसेवियों सहित टीम के सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के आंकड़े अब से तीन सप्ताह में उपलब्ध होने की संभावना है। तमिलनाडु सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में राज्य पशु के संरक्षण के लिए नीलगिरि तहर परियोजना शुरू की थी।

राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में इन दिनों काफी गर्मी पड़ रही है लेकिन शुक्रवार को थोड़ी राहत रही। तापमान 3 डिग्री कम रहा। आकाश में बादल छाये रहे। वहीं प्रशासन ने मुख्य बाजार और सिग्नल चौराहों पर छांव के लिए पांडाल लगाए हैं। साईंबाबा कॉलोनी में एक सिंग्नल पर लगा पंडाल। वहीं निगम ने 100 वार्ड में से 29 वार्ड में छाछ के पंडाल भी लगाए हैं। अनेक प्रवासियों द्वारा जगह जगह पर लोगोंको गर्मी से राहत देने के लिए प्याऊ और छाछ के पंडाल लगाए गए हैं।

चलती ट्रेन से गिरी गर्भवती महिला की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुड्डालोर (तमिलनाडु)। उलुंदुरपेट और वृद्धाचलम के बीच चलती ट्रेन से गिरने के बाद एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। महिला की पहचान चेन्नई के तिरुसुलम की निवासी कस्तूरी (22) के रूप में हुई है, जो तेनकाशी जिले में अपने पति सुरेश कुमार और अन्य रिश्तेदारों के साथ कोल्लम एक्सप्रेस में यात्रा कर रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सात महीने की गर्भवती महिला ने बृहस्पतिवार रात जी मिचलाने की शिकायत की और इसके बाद वह शौचालय गई, हालांकि पैर फिसलने के कारण वह ट्रेन से गिर गई। अधिकारी ने कहा कि ट्रेन से गिरने के तुरंत बाद उसके रिश्तेदारों ने उसे बचाने के लिए चेन खींच दी, लेकिन वे उसके शव का पता नहीं लगा सके। उन्होंने कहा कि वृद्धाचलम रेलवे स्टेशन पहुंचने के तुरंत बाद रिश्तेदारों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पुलिस को उसका शव उलुंदुरपेट से लगभग एक किलोमीटर दूर मिला।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि जनता दल (सेक्युलर) के नेता और हासन लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैसूरु जिले के कृष्णराजा नगर में पीड़िता का कथित तौर पर अपहरण करने के आरोपों को देखते हुए पुलिस को निर्देश दिया गया है कि उसका पता लगाए और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करे।

तीन बच्चों की मां का, उनके 20 वर्षीय बेटे द्वारा पुलिस में शिकायत करने के बाद होलेनरसीपुरा के विधायक और प्रज्ज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना और उनके विश्वासपात्र सतीश बबन्ना ने कथित तौर पर उनके घर से अपहरण कर लिया। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो से पता चलता है कि प्रज्ज्वल रेवन्ना ने उसकी मां को कथित तौर पर बांधकर बलात्कार किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सतीश बबन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। एच.डी.रेवन्ना, पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल सेक्युलर सुप्रीमो एच.डी.देवेगौड़ा के पुत्र हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रज्ज्वल के मामले में गलत किया है। सिद्दरामैया ने कहा, भाजपा और जद (एस) दोनों को प्रज्ज्वल रेवन्ना के वीडियो के बारे में जानकारी थी। प्रज्ज्वल रेवन्ना का मामला सिर्फ यौन उत्पीड़न का नहीं है। उन्होंने महिलाओं के साथ बलात्कार किया है। (उनके खिलाफ) बलात्कार का एक मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ताओं का समर्थन करते हुए सिद्दरामैया ने कहा, क्या कोई महिला झूठ बोलेगी कि उसके साथ बलात्कार हुआ है? क्या शिकायत के बाद उसकी जिंदगी बर्बाद नहीं हो जायेगी? अगर कोई शादीशुदा महिला खुलेआम कहती है कि उसके साथ बलात्कार हुआ है तो हमें इसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं (इन मुद्दों पर) कभी झूठ नहीं बोलतीं। पीड़ित झूठ नहीं बोलेंगे। क्या इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए? यह जानते हुए भी उन्होंने (प्रज्ज्वल को) टिकट क्यों दिया? उन्होंने (भाजपा) गठबंधन (जद-एस के साथ) क्यों किया?

कर्नाटक में एसडीपीआई के समर्थन से सत्ता में आई कांग्रेस : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुक्केरी (कर्नाटक)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बेंगलूरु में हुए बम विस्फोट में 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' (एसडीपीआई) से जुड़े राष्ट्र-विरोधी तत्व शामिल थे और कांग्रेस इसी एसडीपीआई के समर्थन से कर्नाटक में सत्ता में आई है।

उन्होंने सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार ठीक से जांच करने में समर्थ नहीं है तो हुबली की छात्रा नेहा हिरेमथ की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। वह यहां बेलगावी जिले में चिक्कोडी लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार अन्नासाहेब जोले के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने एक मार्च को रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के संदर्भ में कहा, मोदी जी ने देश से आतंकवाद खत्म किया। मोदी जी ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया। लेकिन कर्नाटक में यह कांग्रेस सरकार एसडीपीआई के समर्थन से सत्ता में आई है। नतीजा देखिए, उनके सत्ता में आने के बाद बेंगलूरु में बम विस्फोट हुआ। शाह ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस सरकार) पहले कहा कि यह एक सिलेंडर विस्फोट है। यह सिलेंडर विस्फोट नहीं था, यह एसडीपीआई के राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा किया गया बम विस्फोट था। जब जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपी गई तो ऐसे तत्वों की संलिप्तता के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, चिंता मत कीजिए, कांग्रेस सरकार को जो मर्जी करने दीजिए...नरेन्द्र मोदी सरकार कर्नाटक को सुरक्षित रखेगी। राज्य में 13 अन्य लोकसभा क्षेत्रों के साथ चिक्कोडी में 7 मई को मतदान होगा।

पिछले महीने कॉलेज परिसर में नेहा हिरेमठ की हत्या का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि सरकार में कुछ लोगों ने कहा कि हत्या व्यक्तिगत कारणों से हुई। उन्होंने कहा, यह कैसा व्यक्तिगत कारण है? एक लड़की, जो धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहती थी, उसकी हत्या कर दी गई। मैं परसों हुब्बल्ली में उसकी मां से मिला था। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी बेटी पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव था। मैं कांग्रेस पार्टी से कहना चाहता हूं कि यदि आप मामले की ठीक से जांच नहीं कर पा रहे हैं, तो इसे सीबीआई को सौंप दो। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि नेहा हिरेमठ के साथ अन्याय करने वालों को सजा मिले। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमठ (23) की उसके कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी फैयाज खोंदुनाईक मौके से भाग गया था जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नेहा मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) की प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पूर्व में उसका सहपाठी था।

चिक्काडी में शुक्रवार को चुनाव प्रचार करते अमित शाह।

शाह ने पिछले दस वर्षों की मोदी शासन की उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि कांग्रेस देश को एकजुट तथा सुरक्षित नहीं रख सकती। उन्होंने कहा, राहुल बाबा कहते थे कि कोरोना वैक्सीन मत लो, यह मोदी वैक्सीन है। यह अच्छा है कि लोगों ने उनकी बात नहीं मानी और सभी ने टीका लगवाया। रात के अंधेरे में, राहुल बाबा ने अपनी बहन के साथ टीका लगवाया। राहुल बाबा आपको शर्म आनी चाहिए कि कोरोना जैसी महामारी के दौरान भी आपने राजनीति की।

शाह ने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ कांग्रेस है जिसने 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला और भ्रष्टाचार किया तथा दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा है जिन पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। उन्होंने कहा, ''एक तरफ राहुल बाबा हैं जो हर तीन महीने में एक बार छुट्टियों पर विदेश जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ मोदी हैं जिन्होंने 23 साल से दीपावली पर भी छुट्टी नहीं ली और देश के जवानों के साथ (त्योहार पर) मिठाई खाई।'' शाह ने कहा, ''आप किसे चाहते हैं, 'परिवारवादी' कांग्रेस या 'परंपरा' का पालन करने वाली भाजपा को।'' शाह ने राम मंदिर से जुड़े मुद्दे को सुलझाने और अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का श्रेय भी मोदी को दिया। उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और केदारनाथ तथा बद्रीनाथ धाम सहित अन्य धार्मिक स्थलों के विकास के लिए भी प्रधानमंत्री की प्रशंसा की। उन्होंने निमंत्रण के बावजूद अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वे अपने वोट बैंक के डर से कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। शाह ने कहा कि खरगे कहते हैं कि राजस्थान के लोगों का कश्मीर से क्या लेना-देना है। उन्होंने लोगों से पूछा, कश्मीर हमारा है या नहीं?

गृह मंत्री ने कहा, खरगे साहब, आप 80 साल पार कर गए हैं, लेकिन आप चिक्कोडी के लोगों को नहीं समझ पाए, यहां का हर बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार है। यह आरोप लगाते हुए कि कर्नाटक की सत्ता में आने के 10 महीने बाद कांग्रेस ने राज्य को बर्बाद कर दिया है, शाह ने कहा, एक बार फिर मोदी पर भरोसा करें। वह कर्नाटक को आगे ले जाएंगे।

गाइडलाइन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करें : कृष्ण कुणाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के षासन सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाइडलाईन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करें। कुणाल शुक्रवार को शिक्षा संकुल में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने शिक्षा विभाग सहित कॉलेज शिक्षा, चिकित्सा विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला अधिकारिता, जनजाति विकास विभाग को आवंटित टास्क निर्धारित समय पर पूर्ण करने तथा क्रियान्वयन समितियों की बैठक आयोजित कर प्रगति की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए।

उन्होंने सामाजिक आर्थिक रूप से वंचित, आदिवासी क्षेत्र, घुमन्तु एवं पशुपालक वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास करने तथा मा-बाड़ी केन्द्रों से समन्वय कर कक्षा 4 उत्तीर्ण सभी छात्रों को कक्षा 5 में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रवेशेत्सव के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों मे पंजीकृत 6 वर्ष के बालकों का विद्यालयों में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करें। उन्होंने शत-प्रतिशत साक्षर राजस्थान बनाने के लक्ष्य को अर्जित करने पर भी जोर दिया।

उन्होंने ड्रॉप आउट रोकने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग लेने, छात्रों को स्थानीय इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी देने, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड के फोर्मेट को सरल बनाने, व्यावसायिक शिक्षा के प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सरकारी एवं निजी विद्यालयों में समन्वय कर खेल मैदान, पुस्तकालय, लैब आदि सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक छात्रों को देने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। सामुदायिक गतिशीलता के अन्तर्गत स्थानीय सेवानिवृत्त शिक्षकों को जोड़कर विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों वाले विषयों के अध्ययन की वैकल्पिक व्यवस्था के प्रयास करने तथा आईसीटी लैब से अधिकाधिक छात्रों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विशिष्ट शासन सचिव, शिक्षा श्रीमती चित्रा गुप्ता, आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अविचल चतुर्वेदी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक आरएससीईआरटी श्रीमती कविता पाठक, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती पूनम प्रसाद सागर एवं सुरेश कुमार बुनकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विदेशी नागरिक की मकान की बालकनी से गिरकर मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले के रेलमगरा थाना क्षेत्र स्थित दरीबा खदान में कार्यरत 38 वर्षीय एक विदेशी नागरिक की बालकनी से गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। थानाधिकारी प्रभु सिंह ने बताया कि पेरू निवासी लुइस एंजेल की मकान की बालकनी में घूमते समय असंतुलित होकर गिरने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बुधवार रात को एंजेल नशे में था और मोबाइल पर बात करते समय असंतुलित होने पर बालकनी से नीचे गिर गया। सिंह ने बताया कि उसे घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव उसके भाई मार्कोस को सौंप दिया गया है। सिंह ने बताया कि इस संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुनः प्रारंभ होगा प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर, आयोग जुटा तैयारियों में अटेंडेंस शीट पर पर होगी स्पष्ट व बड़ी फोटो, लिया जाएगा हैंडराइटिंग का नमूना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी मई-जून में 27 विभिन्न विषयों के लिए आयोजित की जाने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन एंड पीटीआई परीक्षा-2023 की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह परीक्षा 16 मई से 2 जून तक चलेगी। आयोग सचिव ने बताया कि इन परीक्षाओं के शुचितापूर्ण आयोजन एवं डमी अभ्यर्थियों के बैठने की किसी भी सम्भावना को रोकने के लिए आयोग द्वारा इस परीक्षा से अभ्यर्थियों की हैंडराइटिंग का नमूना भी अटेंडेंस शीट पर लिया जाएगा। इसी प्रकार अटेंडेंस शीट पर अभ्यर्थी की स्पष्ट व बड़ी फोटो प्रिंट की जाएगी ताकि परीक्षा केन्द्र पर वीक्षकों द्वारा अभ्यर्थी की पहचान पूर्णतः सुनिश्चित करते हुए डमी अभ्यर्थियों को रोका जा सके।

आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र के साथ अटेंडेंस शीट भी संलग्न होती है। इस शीट को परीक्षा केंद्र पर वीक्षक अभ्यर्थी की पहचान कर स्वयं के, केंद्राधीक्षक एवं अभ्यर्थी के हस्ताक्षर करवाकर प्रवेश-पत्र से अलग कर केन्द्र पर जमा करते हैं। परीक्षा संपन्न होने के उपरांत यह अटेंडेंस शीट परीक्षा सामग्री के साथ आयोग को भेजी जाती है। परीक्षार्थी को अटेंडेंस शीट के निचले भाग में दिए गए स्थान पर अभिजागर की उपस्थिति में एक वाक्य लिखना होगा। इसके पश्चात अभ्यर्थी अपने हस्ताक्षर कर स्वयं के द्वारा लिखे गए वाक्य की पुष्टि करेगा। आयोग द्वारा प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा के संबंध में भी विभिन्न आवश्यक कदम उठाए गए हैं। अन्य सुरक्षात्मक उपायों एवं परीक्षा के सुगम आयोजन के संबंध में 9 मई 2024 को अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस, एसओजी एवं एटीएस, जयपुर, जिला कलक्टर, अजमेर व जयपुर, पुलिस आयुक्त जयपुर, पुलिस अधीक्षक अजमेर, अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं परीक्षा समन्वयक अजमेर व जयपुर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (परीक्षा प्रभारी) पुलिस आयुक्तालय जयपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस नोडल अधिकारी अजमेर, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा अजमेर व जयपुर तथा जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) अजमेर व जयपुर के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विचार विमर्श भी किया जाएगा।

फर्नीचर कारखाने में आग लगी, कोई जनहानि नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक फर्नीचर कारखाने में आग लग गयी जिसपर छ घंटे में काबू पा लिया गया। आग में कोई जनहानि नहीं हुई है। अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम ने बताया कि सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फर्नीचर कारखाने में आग लग गयी। उन्होंने बताया कि 10 दमकलों और टैंकरों ने आग पर काबू पाया। उनके अनुसार आग से कारखाने में रखी लकड़ी और टिनशेड पूरी तरह नष्ट हो गया। गौतम ने बताया कि लेकिन आग की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन एक दमकल कर्मी कारखाने के पहली मंजिल से गिरे पत्थर से चोटिल हो गया। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि कारखाने में आग संभवत: शार्ट सर्किट के कारण लगी लेकिन वास्तविक कारणों की लिये जांच की जा रही है।

अन्तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर महायज्ञ आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में अन्तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर आज महर्षि दयानंद निर्वाण स्थली पर विश्व शान्ति एवं मानव मात्र के कल्याण के लिये महायज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान एवं निर्वाण न्यास के संस्थापक न्यासी वैदिक विद्वान पं राम स्वरूप ने कहा, यज्ञ केवल कर्मकाण्ड ही नहीं, अपितु प्रदूषण दूर करने का सर्वश्रेष्ठ प्रकल्प भी है। अजमेर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्तरराष्ट्रीय यज्ञ दिवस पर महर्षि दयानंद निर्वाण स्मारक न्यास, भिनाय कोठी, अजमेर में प्रातः 9.00 बजे वैदिक विदुषी साध्वी डॉ उत्तमा यति के सानिध्य और आचार्य जागेश्वर निर्मल के ब्रह्मत्व में वैदिक महायज्ञ किया, जिसमें न्यास के मंत्री सोमरत्न आर्य, श्रीमती वंदना आर्य, सुभाष नवाल, डॉ. रामकिशन गुर्जर, डॉ. बद्यूलाल आर्य, प्रकाश किशोर खन्ना, पुष्पा क्षेत्रपाल, गोविन्द शर्मा और विवेक चण्डक आदि मुख्य यजमान रहे।

महायज्ञ के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैदिक विद्वान और निर्वाण न्यास के संस्थापक न्यासी पं. रामस्वरूप ने कहा कि यज्ञ केवल कर्मकाण्ड ही नहीं अपितु प्रदूषण दूर करने का सर्वश्रेष्ठ प्रकल्प है, क्योंकि यज्ञ प्रकृति के निकट रहने का सर्वोत्तम साधन है। रोग नाशक औषधियों से किया, यज्ञ वातावरण को प्रदूषण से मुक्त करके स्वस्थ रहने में सहायक होता है।

हवन सामग्री से दी गयी, आहुति से पर्यावरण की शुद्धि होती है और सभी पदार्थ सूक्ष्म होकर पृथ्वी, आकाश और अंतरिक्ष में जाकर अपना प्रभाव दिखाते हैं। इससे सारे मनुष्य, अन्य जीव-जंतु और वनस्पतियां सभी प्रभावित होते हैं

अभियान

जयपुर में शुक्रवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा, राजस्थान द्वारा प्रदेश भर में बेजुबान परिंदों के लिए चलाए जा रहे एक परिंडा मेरा भी अभियान का शुभारंभ युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित गुर्जर ने किया।

भेंट

ीं राज्यपाल कलराज मिश्र से शुक्रवार को राजभवन में भारतीय फ़िल्म अभिनेता राजकुमार राव ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

कोटा में कोचिंग छात्राओं ने की होस्टल प्रबंधन की शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा की संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया के एक नामी कोचिंग संस्थान के परिसर के अवलोकन और छात्राओं से रुबरु होने के दौरान ही छात्राओं ने एक होस्टल की कई शिकायतें की तो उन्हें होस्टल के वार्डन को हटाने के निर्देश देने पड़े। संभागीय आयुक्त ने गुरुवार को जब जवाहर नगर में एक कोचिंग संस्थान का दौरा किया था तो दो छात्राओं ने हॉस्टल संबंधित शिकायत भी की। एक छात्रा का कहना था, मैं जिस होस्टल में रहती हूं, वहां मुझे सुबह से ब्रेकफास्ट नहीं मिला। रोजाना हॉस्टल में ब्रेकफास्ट देरी से बनता है और क्लास जल्दी शुरू हो जाती है।

दूसरी छात्रा ने राजौरिया से कहा कि वह जिस होस्टल में रहती है,उसके वार्डन का व्यवहार ठीक नहीं है। यूपीआई से पेमेंट नहीं लेती और कैश मांगती हैं। इस पर संभागीय आयुक्त एवं नोडल अधिकारी दोनों हॉस्टल पहुंचे। यहां छात्राओं की शिकायतों की जांच की गयी तो दोनों जगह शिकायतें सही पाये जाने के बाद संबंधित हॉस्टल संचालक और लीज होल्डर को बुलाकर फटकार लगायी गयी। साथ ही नगर निगम की टीम को हॉस्टल में निरीक्षण के लिये भेजा गया। हॉस्टल की वार्डन को हटाने के निर्देश दिये गये।

बागेश्वर धाम का जयपुर में आगामी 30 से लगेगा तीन दिवसीय दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बहुचर्चित बागेश्वर धाम का राजधानी जयपुर में आगामी तीस मई से तीन दिवसीय दरबार लगेगा जिसमें धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हनुमंत कथा करेंगे और भक्तों की समस्या सुनेंगे। हनुमान ग्राम सेवा समिति के तत्वावधान में गुलाबी नगर में बागेश्वर धाम का यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक सीताराम यादव ने बताया कि रघुनाथ धाम जयपुर के पीठाधीश्वर स्वामी सौरभ राघवेन्द्राचार्य महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम लालचंदपुरा निवारू रोड पर आयोजित होगा। इसमें पंडित शास्त्री हनुमान भक्तों को तीन दिवसीय हनुमंत कथा सुनाएंगे।

यादव ने बताया कि कार्यक्रम से पहले 29 मई को सुबह आठ बजे भव्य कलशयात्रा निकाली जाएगी। कलशयात्रा का मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। कलशयात्रा पर हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प-वर्षा भी की जाएगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भाग लेने की संभावना है। कलशयात्रा में जहां

महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए यज्ञ स्थल तक जायेगी वहीं पुरुषों के हाथों में लाल कपड़े में श्रीफल लपेटे हुए होंगे जिन्हें लेकर वे यज्ञ स्थल तक जाएंगे और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की अर्जी लगाएंगे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री को हवाई अड्डे से पुष्पवर्षा करते हुए आयोजन स्थल तक लाया जाएगा इसमें हजारों लोग अपनी गाड़ियों में भगवा ध्वज हाथों में लहराते हुए और बालाजी के जयकारे लगाते हुए चलेंगे। इस दौरान शहर में अनेक स्थानों पर 108 भव्य स्वागतदार बनेंगे। जगह-जगह महाराज का पुष्पों से और जयकारों से स्वागत-अभिनंदन किया जाएगा। सनातन हिन्दु सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र खंडेलवाल ने बताया कि इस विशाल आयोजन के दौरान 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ भी होगा। यज्ञ का श्रीगणेश पं. शास्त्री करेंगे। इस महायज्ञ में एक कुंड पर तीन यजमान जोड़े बैठेंगे।

खंडेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ही एक दिवसीय दिव्य दरबार भी लगेगा जिसमें श्रद्धालुओं की हर तरह की समस्याओं का निराकरण बागेश्वरधाम सरकार द्वारा पर्ची के माध्यम से किया जाएगा। दिव्य दरबार में आने वाले भक्तों के लिए वाहन पार्किंग की व्यवस्था दरबार स्थल से पांच किलोमीटर पहले की जाएगी। भक्तजनों को शीतल जल सहित अन्य सभी सुविधाएं समिति की तरफ से उपलब्ध करवाई जाएगी।

प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए नशे के विरुद्ध सख्त मॉनिटरिंग जरूरी : आनंद कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने कहा कि नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा पीढ़ी को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिये कि नशीले पदार्थों और नशीली दवाओं के क्रय-विक्रय की सख्त मॉनिटरिंग के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों के समीप स्थित पान और चाय की दुकानों का औचक निरीक्षण भी नियमित रूप से किया जाए। कुमार शुक्रवार को शासन सचिवालय में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (-छब्ज्थ्), राजस्थान की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को ड्रग्स के परिवहन मार्ग और क श्रेणी में आने वाली दवाइयों की अवैध बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने तथा इनके स्टॉक एवं खपत की प्रभावी ट्रैकिंग के लिए उचित मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को परस्पर समन्वय से कार्य कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि छात्रों को नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के लिए शिक्षण संस्थानों में समय- समय पर नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलवाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में डोडा-पोस्त चूरी नष्टीकरण का संयुक्त अभियान चलाने के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही प्रदेश में बार की तरह ही कैफे, होटल्स एवं रेस्टोरेंट आदि के परिसर में भी ड्रग्स के विरुद्ध चेतावनी लगाने के लिए कहा। बैठक में अधिकारियों द्वारा प्रदेश में अफीम और गांजे की खेती पर नियंत्रण के लिए प्रभावी मुखबिर तंत्र स्थापित करने के सम्बन्ध में भी विचार विमर्श किया गया।

कुमार ने अधिकारियों से पूर्व में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर की राज्य स्तरीय कमेटी की बैठक में मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना के सम्बन्ध में भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक घनेन्द्रभान चतुर्वेदी ने बताया कि नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर तंत्र (छ्उजठ्ऊ) की बैठक में दिए गए निर्देश की पालना में जयपुर में जल्द ही आदर्श नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किया जाएगा। साथ ही राज्य के युवाओं में नशा मुक्ति की राह को प्रशस्त करने के लिए इणऊञ्ध कार्यक्रम को और भी सशक्त तरीके से लागू किया जाएगा।

बैठक में पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वी.के सिंह, क्षेत्रीय निदेशक एनसीबी घनश्याम सोनी सहित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग एवं आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुलाकात

राज्यपाल कलराज मिश्र से शुक्रवार को राजभवन में नेशनल ओपन कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता सुश्री जुही प्रजापति ने मुलाकात की। जूही ने बीएसएफ ओपन नेशनल कराटे चैंपियनशिप में 10 और 11 वर्ष के आयु वर्ग में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए डबल स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस चैंपियनशिप में 22 राज्य से 1500 से भी अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

जोधपुर और बीकानेर संभाग में 7 मई से चलेगी लू

जयपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 7 मई को होने वाले चुनाव को लेकर देश में जैसे-जैसे सियासी पारा चढ़ रहा है। वैसे ही राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके यानि जोधपुर और बीकानेर संभागों में 7 मई से लू चलने की संभावना है। क्योंकि पिछले 24 घंटों के दौरान बीकानेर संभाग के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हुई है। दिन में सबसे ज्यादा तापमान 40 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया है। जबकि प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर दिन का तापमान सामान्य के मुकाबले 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम ही रहे।

पाकिस्तान में चुनाव हों तो राहुल गांधी जीत जाएंगे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाकिस्तान में चुनाव हों तो राहुल गांधी जीत जाएंगे : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि यदि पाकिस्तान में चुनाव हों तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी वहां जीत जाएंगे, लेकिन भारत में जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की होगी।

शर्मा ने बृहस्पतिवार को भी राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा पर निशाना साधते हुए उन्हें इस पूर्वोत्तर राज्य में अप्रासंगिक बताया था और कहा था कि उनका टाइम खत्म हो गया है। शर्मा ने बारपेटा लोकसभा क्षेत्र में एक रैली के इतर कहा, राहुल गांधी पाकिस्तान में बहुत लोकप्रिय हैं और यदि वहां चुनाव हों और वह चुनाव लड़ें, तो वह भारी अंतर से जीतेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने यह बात तब कही जब उनसे पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा किए जाने पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई थी। शर्मा ने कटाक्ष करते हुए कहा, हम आत्मसमर्पण करते हुए हाथ उठाते हैं कि हम पाकिस्तान में राहुल गांधी की बराबरी नहीं कर सकते और वह निश्चित रूप से वहां जीतेंगे।

पाकिस्तान में इमरान खान की कैबिनेट के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने बृहस्पतिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर गांधी का एक वीडियो साझा किया था और उनकी प्रशंसा की थी, जिसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी आलोचना की थी।

शर्मा ने कहा कि भारत में वैसा कुछ नहीं होगा जैसा पाकिस्तान चाहता है, बल्कि भारत में उसके विपरीत होगा।

तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्द्धमान (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिया है और उसके नेतृत्व वाली सरकार यहां भ्रष्टाचार के साथ ही तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त है तथा राज्य में लोकतंत्र की कब्र खोद रही है।

बर्धमान-दुर्गापुर और कृष्णानगर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई से स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) घोटाले के कारण नौकरी गंवाने वाले 'वास्तविक शिक्षकों और उम्मीदवारों' की मदद के लिए एक अलग कानूनी प्रकोष्ठ बनाने को कहा है। मोदी ने कहा कि विभिन्न घोटालों के जरिए बंगाल की जनता को लूटने वाले दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और यह 'मोदी की गारंटी' है। मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर की एक कथित टिप्पणी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बंगाल में हिंदू दोयम दर्जे के नागरिक क्यों बन गए हैं... टीएमसी के एक विधायक ने हाल ही में बयान दिया था कि वे हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंक देंगे। यह किस तरह की राजनीति है? क्या तृणमूल कांग्रेस के लिए मानवता से ज्यादा तुष्टीकरण महत्वपूर्ण है?'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें राम मंदिर, रामनवमी, शोभा यात्रा और

जय श्रीराम के नारों तक से समस्या है। एसएससी घोटाले से जुड़ी शिकायतों के समाधान के प्रयास के तहत मोदी ने प्रभावित व्यक्तियों, खासकर नौकरी गंवाने वाले वास्तविक उम्मीदवारों की मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस की निगरानी में स्कूल भर्ती में हुआ भ्रष्टाचार निंदनीय है। इस घोटाले के कारण कई योग्य और वास्तविक उम्मीदवारों को नुकसान उठाना पड़ा है। मैंने बंगाल भाजपा इकाई से वास्तविक उम्मीदवारों और शिक्षकों को मदद प्रदान करने के लिए एक अलग कानूनी प्रकोष्ठ और सोशल मीडिया मंच बनाने के लिए कहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि चुनाव भी चल रहे हैं, पार्टी पूरी मदद करेगी। मोदी ने भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों और निर्दोष पीड़ितों के बीच अंतर करने की आवश्यकता पर जोर दिया, निर्दोष लोगों के हितों की रक्षा करते हुए गलत करने वालों को जवाबदेह ठहराने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, आज, मैं बंगाल के युवाओं को गारंटी देता हूं कि मोदी उन्हें शांति से बैठने नहीं देंगे जिन्होंने बंगाल के युवाओं को रुलाया है। यह मोदी की गारंटी है कि विभिन्न घोटालों के जरिए राज्य के लोगों को लूटने में शामिल दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पर शिक्षकों की भर्ती में बड़ा घोटाला कर युवाओं के भविष्य को खतरे में डालने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, हालांकि हम चाहते हैं कि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को सजा मिले, लेकिन निर्दोषों को परेशानी भी नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस ने पहले ही हार स्वीकार कर ली है : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को कहा कि अमेठी में चुनावी मैदान में गांधी परिवार के किसी सदस्य का नहीं होना, यह संकेत है कि कांग्रेस ने मतदान से पहले ही हार स्वीकार कर ली है।

अमेठी से निवर्तमान सांसद ईरानी ने संवाददाताओं से कहा, गांधी परिवार का अमेठी में चुनावी मैदान में नहीं होना, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ने सीट पर मतदान से पहले ही अपनी हार मान ली है। उन्होंने यह टिप्पणी कांग्रेस के करीबी के.एल. शर्मा द्वारा अमेठी सीट से नामांकन दाखिल किए जाने के संबंध में की। गांधी परिवार का जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा, अगर उन्हें लगता कि इस सीट पर जीत की कोई उम्मीद है तो वे यहां से चुनाव लड़ते, न कि अपना प्रतिनिधि उतारते। उन्होंने दावा किया कि 20 मई को जब मतदान होगा तो वह इस निर्वाचन क्षेत्र में फिर से जीत हासिल करेंगी। ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली से नामांकन दाखिल करने को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा, लोगों को पता है कि जिसे अमेठी ने स्वीकार नहीं किया और वह वायनाड भाग गया, वह कभी पूरी तरह से रायबरेली का नहीं हो पाएगा।

कांग्रेस दलितों व पिछड़ों को आरक्षण देने के खिलाफ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस दलितों और पिछड़ों को आरक्षण देने के खिलाफ है और पार्टी ने सत्ता में रहने के दौरान प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द शामिल कर संविधान पर 'हमला' किया। भाजपा का यह आरोप ऐसे समय आया है जब कांग्रेस दावा कर रही है कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी पुन: सत्ता में आने पर संविधान में बदलाव करने और अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सदस्यों को दिए गए आरक्षण को समाप्त करने के लिए जनता से लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जिताने की अपील कर रही है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता

प्रस्तावना में संशोधन संविधान पर हमला

सम्मेलन में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा, वे बार-बार कह रहे हैं कि संविधान को बदल दिया जाएगा। आंबेडकर कहते थे कि संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा है। लेकिन उन्होंने (कांग्रेस) इसमें एक शब्द 'धर्मनिरपेक्ष' जोड़ दिया, जो संविधान पर सबसे बड़ा हमला था।

यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आई तो क्या प्रस्तावना अपने मूल स्वरूप में बहाल हो जाएगी, उन्होंने कहा, हां। 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को इसमें (प्रस्तावना) नहीं जोड़ा जाना चाहिए था। इससे बीआर आंबेडकर की आत्मा को ठेस पहुंची।

गौतम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने जन्म से ही दलितों और पिछड़ों को आरक्षण देने के खिलाफ रही है और आरक्षण खत्म करने के लिए अपने शासन में 'क्रीमी लेयर' का प्रावधान लाई थी। उन्होंने आरोप लगाया, 27 जून 1961 को सभी मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में जवाहरलाल नेहरू (तत्कालीन प्रधानमंत्री) ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वह आरक्षण को पसंद नहीं करते हैं, खासकर नौकरियों में। कांग्रेस और उसके नेताओं ने संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया क्योंकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया में आरक्षण के नाम पर कुछ भी नहीं दिया गया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा सत्ता में आने पर एएमयू और जामिया मिलिया इस्लामिया में दलितों और पिछड़ों को आरक्षण मुहैया कराएगी, गौतम ने कहा, इसके लिए हम एक मसौदा तैयार करेंगे और सभी प्रयास करेंगे। उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए। हमने पहले भी दलितों के लिए लड़ाई लड़ी है। गौतम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 के तहत पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देकर जम्मू एवं कश्मीर में दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण से वंचित रखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू एवं कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर दिया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया।

तृणमूल सांसद देव के हेलीकॉप्टर में आग लगी, बाल-बाल बचे

मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। अभिनेता और घटल से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद दीपक अधिकारी के हेलीकॉप्टर में मालदा हेलीपैड से उड़ान भरने के तुरंत बाद आग लग गई, हालांकि वह बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के कारण पायलट को आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि देव के नाम से मशहूर अधिकारी को कोई चोट नहीं आई और बाद में रानीनगर में एक अन्य चुनावी रैली के लिए वह सड़क मार्ग से गंतव्य स्थल पर पहुंचे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देव से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। देव ने कहा, थोड़ा आघात स्वाभाविक है। इस घटना का मुझ पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा। मैंने मुख्यमंत्री को फोन कर उनसे कहा कि मैं हेलीकॉप्टर नहीं लेना चाहता और इसके बजाय मुर्शिदाबाद जिले के रानीनगर में अपने अगले सभा स्थल तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग को प्राथमिकता दूंगा। देव मालदा (उत्तर) लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार प्रसून बनर्जी के चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए यहां आए थे। टीएमसी सांसद ने कहा, लोगों के प्यार और आशीर्वाद से मैं बच गया। मैंने मौत को इतने करीब से देखा...मैं अब ठीक हूं।

ममता ने महिलाकर्मी से 'दुर्व्यवहार' को लेकर राज्यपाल को आड़े हाथों लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने राजभवन में महिला कर्मी से कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने को लेकर राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस को शुक्रवार को आड़े हाथों लिया।

महिला कर्मी से कथित दुर्व्यवहार का मामला बृहस्पतिवार शाम को सामने आया था। पूर्वी बर्धवान जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने राजभवन में महिला से कथित दुर्व्यवहार को लेकर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, कल, राजभवन में काम करने वाली एक युवा महिला सामने आई और राज्यपाल के कथित उत्पीड़न के बारे में बताया ...कल, महिला की व्यथा सुन मेरा दिल रो पड़ा। मैंने उसका वीडियो देखा। ममता

बनर्जी ने सवाल किया कि कल राजभवन गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्यों इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी? उन्होंने कहा, महिला रोती हुई बाहर आई और कहा कि उसे अब राजभवन में काम करने से डर लग रहा है। उसने बताया कि उसे असमय बुलाया जाता था और उत्पीड़न किया जाता था। और ये लोग हमारी माताओं और बहनों की गरिमा की बात करते हैं। राज्यपाल बोस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह 'मनगढ़ंत आरोपों' से नहीं डरेंगे और 'सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने यह बयान तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इस दावे के बाद दिया कि राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मी ने उन पर छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करायी है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल पुलिस के 1500 जवानों को दूसरे राज्यों में चुनाव ड्यूटी पर तैनात करने को लेकर निर्वाचन आयोग की आलोचना की।

जनता से कट चुके हैं प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फतेहपुर सीकरी (उप्र)/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'सत्ता के अहंकार' में जनता से दूर हो जाने का शुक्रवार को आरोप लगाया। प्रियंका ने यहां कांग्रेस उम्मीदवार रामनाथ सिकरवार 'फौजी' के समर्थन में रोड शो के दौरान यह बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा, आपने देश के सबसे बड़े नेता को देखा है जिन्होंने सिर्फ आपको गुमराह किया है। सिर्फ चुनाव के समय आपके जज्बात को उभारकर आपसे वोट लिया है। बदले में आपको दिया कुछ भी नहीं, अपने खरबपति मित्रों को दिया है। वाद्रा ने कहा, वह (मोदी) देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने 16 हजार करोड़ रुपए अपने लिए दो हवाई जहाज खरीदने पर खर्च कर दिए। क्या मोदी ने किसी एक किसान के आंसू पोछे हैं?

प्रियंका ने प्रधानमंत्री पर जनता से दूर हो जाने का आरोप लगाते हुए कहा, जिसके पास बहुत ज्यादा सत्ता हो जाती है वह अक्सर अहंकारी हो जाता है। उसके आसपास के लोग सच नहीं बोलते हैं। वह चमचागिरी करते हैं। आज जितने भी अधिकारी और उनके साथी हैं वह उनसे (मोदी) डरते हैं। जब वे डरते हैं तो देश की सच्चाई को कैसे बताएंगे? प्रधानमंत्री में इतना अहंकार हो गया है कि वह जनता से कट चुके हैं। उन्होंने कहा, इस देश में एक दूसरा नेता है राहुल गांधी.... जो 4000 किलोमीटर कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चला आपसे मिलने के लिए, आपकी समस्याओं को समझने के लिए।

बीजद को नौकरशाह चला रहे : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संबलपुर (ओडिशा)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया है कि नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजद) को पहली बार जनता के विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है और मुख्यमंत्री कार्यालय में ''बाहरी लोगों'' का एक समूह राज्य पर कब्जा करना चाहता है।

संबलपुर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे शिक्षा मंत्री प्रधान ने इन अटकलों को भी खारिज कर दिया कि भाजपा ने बीजद के साथ गठबंधन करने

मुख्यमंत्री कार्यालय में 'बाहरी लोग' ओडिशा पर कब्जे की कोशिश में

का कोई प्रयास किया। प्रधान 15 वर्ष के अंतराल के बाद चुनाव मैदान में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा, उड़िया पहचान खतरे में है और यह चुनाव पूरी तरह से उसी पहचान के बारे में है। उन्होंने पटनायक के करीबी सहयोगी वी. के. पांडियन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, बीजद को नौकरशाहों का एक समूह चला रहा है... मुख्यमंत्री कार्यालय में एक समूह है जिसमें कुछ गैर-उड़िया अधिकारी हैं, वे सभी साथ आए और उन्होंने सोचा कि चलो, मुख्यमंत्री की अक्षमता का फायदा उठाएं, चलो, पिछले दरवाजे से सेंध लगाते हैं। उनका इरादा राज्य पर कब्जा करने का है। यह खतरनाक चलन है और जनता जमीनी स्तर पर उनकी निष्क्रियता के अलावा इसी बात से नाराज है। मंत्री ने कहा कि यह पहली बार है कि अब तक लोकप्रिय रहे मुख्यमंत्री को जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है।

आरक्षण संबंधी टिप्पणी पर चिराग ने तेजस्वी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने शुक्रवार को आरक्षण पर उनके रुख के बारे में गलत बयान देने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। रैलियों में, खासकर हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र में तेजस्वी ने दावा किया है कि लोजपा (आर) प्रमुख ने संपन्न दलितों के लिए आरक्षण खत्म करने की वकालत की है। चिराग पासवान हाजीपुर लोकसभा सीट से ही चुनाव लड़ रहे हैं। पत्रकारों ने जब पासवान का ध्यान इस बयान की ओर दिलाया तो उन्होंने कहा, यह झूठ है। तेजस्वी यादव रैली दर रैली झूठ बोल रहे हैं। उन्हें यह प्रलाप बंद करना चाहिए, नहीं तो मैं कानूनी कार्रवाई का सहारा ले सकता हूं। बिहार के उप मुख्यमंत्री रह चुके तेजस्वी को पासवान ने चुनौती दी कि वह ''मेरा कोई ऐसा बयान दिखाएं जिसमें मैंने सार्वजनिक तौर पर, अमीर दलितों के लिए आरक्षण खत्म करने के पक्ष में बात की हो। पासवान और यादव लंबे समय से अच्छे दोस्त रहे हैं। उनका रिश्ता क्रमश: उनके पिता, दिवंगत राम विलास पासवान और लालू प्रसाद के बीच घनिष्ठ संबंधों के कारण है।

मोदी पीएम आवास योजना मद में बंगाल को दी गई राशि पर 'श्वेतपत्र' लाएं : अभिषेक

नानूर (प.बंगाल)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने पिछले तीन . चार साल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत केंद्र की ओर से पश्चिम बंगाल को दी गई राशि की विस्तृत जानकारी मांगते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से एक 'श्वेत पत्र' लाने की अपील की। अभिषेक बनर्जी ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर मोदी साबित कर दें कि उनकी सरकार ने योजना के तहत एक पैसा भी दिया है तो वह लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार बंद कर देंगे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के लोगों को राशि जारी नहीं करने की साजिश की। मैं प्रधानमंत्री से अपील करता हूं कि भाषण देने के बजाय वह 'श्वेत पत्र'जारी करें जिसमें आवास योजना के तहत पश्चिम बंगाल के लोगों को दिए गए धन की विस्तृत जानकारी हो। वह तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार असित पाल के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : भारत के 22 पदक पक्के

अस्ताना (कजाखस्तान)/भाषा। बृजेश टम्टा और आर्यन के साथ पांच अन्य मुक्केबाज यहां फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे जिससे भारतीयों ने एएसबीसी एशियाई अंडर-22 एवं युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप 2024 के विभिन्न वर्गों में 22 पदक पक्के कर दिए। इन 22 में से 12 पदक महिलाओं ने सुनिश्चित किए। भारत के लिए बृजेश ने शुरुआत की जिसमें उन्होंने 48 किग्रा वर्ग में मंगोलिया के तालाईबेक लासूर को 5-0 से शिकस्त दी। इसके बाद राहुल कुंडु (75 किग्रा) ने चीन के कांजीबायी अर्सी और आर्यन (92 किग्रा) ने किर्गिस्तान के अलिबाएव टिनयस्तान को सर्वसम्मत फैसले में पराजित किया। सागर जाखड़ (60 किग्रा) ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से किर्गिस्तान के सादिरोव दिलेरबेक पर जीत हासिल की। एक और आर्यन (51 किग्रा), यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) और प्रियांशु (71 किग्रा) ने विभाजित फैसलों में जीत हासिल की। सुमित (67 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) को क्रमश: कजाखस्तान के साबिरखान और किर्गिस्तान के जाकिरोव मुखामादाजिज से 0-5 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अतीत के संघर्षों ने बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रेरणा दी : सुमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। ओलंपिक और एशियाई खेल पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे सुमित को अतीत के संघर्षों ने एक और पदक अपनी झोली में डालने के लिए प्रेरित किया है।

सुमित को पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद है और अंतिम 16 में स्थान पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा से वह विचलित नहीं हैं। सुमित ने भारतीय टीम की तैयारियों के शिविर से इतर पीटीआई से कहा, मेरे जीवन में काफी

संघर्ष रहे हैं और कठिन अतीत की यादों से मुझे आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। इससे बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की ऊर्जा मिलती है। सुमित ने 2021 में तत्कालीन कोच ग्राहम रीड द्वारा उन्हें टीम से बाहर किए जाने को मैदान पर सबसे बड़ी चुनौती बताया। उस साल एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद सुमित को टीम से बाहर कर दिया गया और उसके बाद राष्ट्रमंडल खेल या विश्व कप के लिए नहीं चुना गया।

दो साल टीम से बाहर रहना उनके लिए कठिन था लेकिन सुमित ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, मैं निराशा को दिमाग में घर करने नहीं देता लेकिन एक खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर होना काफी कठिन होता है। पिछले कुछ साल में मैने काफी उतार चढाव देखे हैं लेकिन टीम में वापसी की चुनौती मेरे लिए अच्छी थी।

सुमित ने कहा, टीम से बाहर रहने पर बुरा इसलिए लगता है कि आपको लगने लगता है कि कोच आप पर भरोसा नहीं करता। इस सोच से खेल प्रभावित होने लगता है। मैने हालांकि अपने खेल पर मेहनत करके दावा पुख्ता किया। उन्होंने नए कोच क्रेग फुल्टोन की तारीफ करते हुए कहा, फुल्टोन ने ऐसा माहौल बनाया है जिसमें हर खिलाड़ी को अहमियत दी जा रही है। हर खिलाड़ी से उनका संपर्क है और वह पूरी टीम को साथ लेकर चलते हैं।

नवीन पटनायक के पास ओडिशा को शीर्ष पर ले जाने की ठोस योजना है : पांडियन

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) नेता वी. के. पांडियन ने कहा है कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के पास ओडिशा को सभी क्षेत्रों में शीर्ष स्थान पर ले जाने की एक ठोस योजना है। उन्होंने कहा कि राज्य से पलायन पर पूरी तरह से विराम लगाना, अब कुछ ही समय में हासिल किया जा सकता है। पटनायक के करीबी सहयोगी पांडियन ने 'पीटीआई' के साथ एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में दावा किया कि बीजद मौजूदा लोकसभा और विधानसभा चुनावों में राज्य में जीत हासिल करेगी क्योंकि मुख्यमंत्री को जनता से भरपूर प्यार मिलता है। पांडियन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी रहे हैं और उन्होंने 25 वर्ष से अधिक समय तक ओडिशा में काम किया है। वह मुख्यमंत्री के निजी सचिव भी रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग उनसे (नवीन पटनायक) बहुत प्यार करते हैं और उनके काम की सराहना करते हैं। वे जानते हैं कि राज्य सुरक्षित हाथों में है और नवीन बाबू के नेतृत्व में उनकी प्रगति निश्चित है। पांडियन ने कहा, वह (पटनायक) लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति करते हैं, सत्ता में रहने के लिए नहीं। लोग इस अंतर को भी समझते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने पांच बार मुख्यमंत्री पद पर रहने के बाद मुख्यमंत्री में कोई थकान देखी है, पांडियन ने कहा, यदि आप अच्छा काम करते हैं, तो कोई थकान कैसे आएगी? वह हर चुनाव में सत्ता समर्थक लहर के साथ जाते हैं। पांडियन ने दावा किया कि मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता को लेकर सभी सर्वेक्षणों में उन्हें (नवीन पटनायक) देश में नंबर एक पर रखा है।

सुविचार

हमेशा उन्ही के करीब मत रहिये, जो आपको खुश रखते है, बल्कि कभी उनके भी करीब जाइए, जो आपके बिना खुश नहीं रहते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रणनीति या मजबूरी?

कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों के लिए जिस तरह उम्मीदवारों की घोषणा की, उसने मतदाताओं को थोड़ा चौंकाया और कार्यकर्ताओं को थोड़ा मायूस किया। नामों की घोषणा में बहुत देरी की गई। नामांकन दाखिल करने के आखिरी घंटों में जाकर पर्चा भरा गया। अब सबसे ज्यादा चर्चा इसी बात को लेकर है कि राहुल गांधी को अमेठी से रायबरेली क्यों भेजा गया? अमेठी वह सीट है, जिसे कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। हालांकि रायबरेली की पहचान भी इससे अलग नहीं है। साल 2019 में अमेठी से राहुल गांधी की हार के बाद उनके फिर से इसी सीट से चुनाव लड़ने को लेकर कुछ संशय था, जो अब वास्तविकता बन गया है। राहुल गांधी ने केरल के वायनाड से भी पर्चा भरा था। वहां मतदान हो गया, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान कम्युनिस्ट पार्टी से उनकी खटपट जारी रही। तब तक कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली से उम्मीदवारों के संबंध में कोई 'खास' संकेत नहीं दिए थे, लेकिन मतदाता और कार्यकर्ता यही मानकर चल रहे थे कि इस बार 'भाई–बहन' अपनी परंपरागत सीटों से मैदान में उतरेंगे। राहुल पिछली बार स्मृति ईरानी से भले ही हारे, लेकिन अगर इस बार वे फिर अमेठी से चुनाव लड़ते तो कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार हो जाता। उनमें संदेश जाता कि हमारे नेता हार–जीत की परवाह नहीं करते। वे हमारा प्रतिनिधित्व करने और हर चुनौती से मुकाबला करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। वायनाड से राहुल गांधी की 'प्रतिद्वंद्वी' एनी राजा ने भी कहा कि कांग्रेस को (वायनाड के) लोगों को सूचित करना चाहिए था कि राहुल रायबरेली को दूसरी सीट मान रहे हैं।

हालांकि दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ने की यह कोई पहली घटना नहीं है। नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में वाराणसी और वडोदरा, दोनों सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ा और दोनों से जीते थे। बाद में उन्होंने वाराणसी सीट रखी। यह निर्वाचन क्षेत्र अपनी खास आध्यात्मिक पहचान रखता है और मोदी बहुत गहराई के साथ इससे खुद को जोड़ते हैं। अमेठी गांधी परिवार के सदस्यों को लोकसभा भेजने के लिए जानी जाती है। कभी यहां कांग्रेस के विद्याधर वाजपेयी का डंका बजता था, जिन्होंने दो बार इसका प्रतिनिधित्व किया था। साल 1977 में जनता पार्टी की आंधी में रवींद्र प्रताप सिंह जरूर यहां से जीत दर्ज करने में कामयाब रहे, लेकिन उनके बाद संजय गांधी और राजीव गांधी यहां से चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इसलिए कांग्रेस और गांधी परिवार का अमेठी से विशेष जुड़ाव रहा है। साल 1999 में सोनिया गांधी ने यहां से लोकसभा चुनाव जीतकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंका था। वे बल्लारी (कर्नाटक) से भी जीती थीं। उससे पहले कांग्रेस गंभीर अंतर्कलह से जूझ रही थी। माधवराव सिंधिया, राजेश पायलट, नारायण दत्त तिवारी, अर्जुन सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं का तत्कालीन अध्यक्ष सीताराम केसरी के साथ छत्तीस का आंकड़ा चल रहा था। कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़ चुके थे। गुटबाजी हावी थी। तब सोनिया गांधी को राष्ट्रीय राजनीति में लाकर उनके कद को बड़ा करने में अमेठी के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस चुनाव के नतीजों के बाद सोनिया गांधी की पार्टी पर पकड़ मजबूत होती गई। शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर के बागी रुख के बावजूद सोनिया ने कांग्रेस को दृढ़ता से संभाला और विपक्ष की नेता भी बनीं। साल 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग की सरकार भी बनी। हालांकि सोनिया ने वह चुनाव रायबरेली से लड़ा था। तब से लेकर साल 2014 तक राहुल गांधी ने अमेठी से लगातार जीत दर्ज की, लेकिन 2019 की हार उनके लिए और पार्टी के लिए बड़ा झटका साबित हुई थी। राहुल गांधी इस बार चुनाव लड़ने के लिए रायबरेली चले गए। यह प्रयोग कितना सफल होगा? यह रणनीति है या मजबूरी? यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि अगर वे अमेठी में रहते और रायबरेली में प्रियंका को उतारा जाता तो कार्यकर्ता ज्यादा उत्साह के साथ चुनाव लड़ते। उनके अमेठी छोड़ने से भाजपा को 'शब्दबाण' छोड़ने का एक और मौका ज़रूर मिल गया।

ट्वीटर टॉक

इन वोट के भूखे लोगों की पहले 2 चरणों में लुटिया डूब चुकी है। अब ये खुलेआम एक नया खेल लेकर आए हैं। अब ये कहते हैं कि मोदी के खिलाफ वोट जिहाद करो। जिहाद क्या होता है, ये हमारे देश के लोग भली–भांति जानते हैं।

–नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित करने वाले मध्य क्षेत्र सेवा प्रमुख श्री प्रदीप खांडेकर जी के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दुखद है। दिवंगत को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ॐ शांति:

–सीपी जोशी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जिस संकल्प को लेकर आप चले थे वह घर–घर तक पहुंचा है। न्याय के संकल्प के साथ जनभावना जुड़ी है। मुझे विश्वास है कि रायबरेली की जनता का अपार समर्थन व स्नेह आपको मिलेगा और कांग्रेस इस लोकसभा क्षेत्र से एक बड़ी विजय दर्ज करेगी।

–सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

सागर से सीख

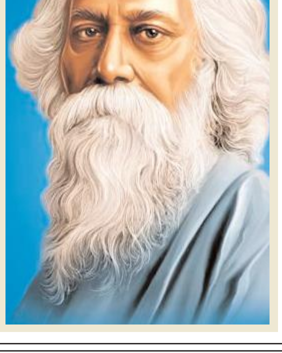

एक बार गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर सागर किनारे टहलते हुए अपने विद्यार्थियों को मिसाल देते हुए समझा रहे थे कि सागर को देखने का अनुभव हरेक का अपना ही होता है। कोई सागर किनारे बह रही शीतल हवा का मुरीद हो जाता है। कोई वहां पर सीपियां और शंख एकत्र करता है। कोई रेत के घरौंदे बनाता है और लहरों को समर्पित कर देता है। कोई सागर में डुबकी लगाकर लहरों के साथ अठखेलियां करता है। सागर किसी पर दबाव नहीं बनाता कि ऐसा करो या वैसा करो। इसी तरह यह सारा जीवन है। एक पाठशाला की तरह। इसे देखो और जो चाहे बटोर लो।

सामयिक

कश्मीर घाटी की अवाम भी करेगी मतदान

आर.के.सिन्हा

कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कुछ साल पहले तक सिर्फ सुरक्षा बलों के जवान ही झुण्ड के झुण्ड दिखाई दिया करते थे, वहां आजकल लोकसभा चुनाव को लेकर स्थानीय लोग खुलकर राजनीतिक चर्चाएं कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में धारा 370 को हटाये जाने के बाद पहली बार कोई चुनाव हो रहे हैं। तब से घाटी की स्थिति में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। घाटी में आतंकवाद जब चरम पर चल रहा था, तब बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों और अन्य लोग वहां से भागकर दिल्ली और दूसरे राज्यों में शरण ली थी। तब इनके सामने विस्थापन का संकट झेलने से लेकर अनिश्चित भविष्य की मुश्किलों का सामना करने के अलावा कोई दिशा या रास्ता भी तो नहीं था।

वर्ष 2019 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने जब धारा 370 को हटाया जिस एतिहासिक संसद के सत्र में भी भागीदार था, तब उनमें एक उम्मीद जगी है। तब से उन्हें यही महसूस हो रहा है कि अब वे किस तरह अपने कश्मीर जाकर फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट सकेंगे। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के दौर के बाद लाखों पंडितों ने अपमान और अत्याचार के दौर में घाटी को छोड़ा था। वे आगामी 13 मई को अपना वोट राजधानी के पृथ्वीराज रोड पर स्थित जम्मू–कश्मीर हाउस में जाकर डालेंगे। उस दिन श्रीनगर सीट के लिए वोटिंग होनी है। यहां कश्मीरी पंडितों को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने की सुविधा दी गई है। इसके बाद 20 मई (बारामूला) और 25 मई को (अनंतनाग– राजौरी) में मतदान होगा। तब भी राजधानी और इसके आसपास रहने वाले कश्मीरी पंडित यहां आकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे ख सरकार का कहना है कि जम्मू–कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव भी कराकर वहां की जनता की चुनी हुई सरकार को लाने और विकास कार्य में तेजी लाकर देश की मुख्य धारा से राज्य को जोड़ने के लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्य के अपने दौरे में इस बात को साफ तौर पर कहा भी था। साल 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राज्य का यह पहला दौरा था। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए करीब दो लाख लोग वहां पहुंचे थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तार से बताया था कि कैसे उनकी सरकार जम्मू–कश्मीर के हालात को बदलने और वहां के युवाओं के लिए भविष्य को संवारने के लिए काम कर रही है। राजधानी और एनसीआर में आज भी हजारों कश्मीरी पंडित रहते हैं। ये अधिकतर दक्षिण दिल्ली में ही रहते हैं। दिल्ली में रहने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकार की ओर से हर महीने मासिक राहत पैकेज दिया जाता है। पहले यह 10,000 रुपये था, लेकिन पिछले साल 2023 में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसको 10,000 रुपये से बढ़ाकर 27,000 रुपये प्रति माह कर दिया था। उप राज्यपाल ने दिल्ली सरकार के कश्मीरी प्रवासी कार्डों में नाम जोड़ने को भी मंजूरी दे दी थी। इससे प्रवासियों के बड़े और विवाहित बच्चों को अपने स्वयं के कश्मीरी प्रवासी कार्ड प्राप्त करने और एएमआर के लिए पात्र बनने की अनुमति मिल गई। उग्रवाद के दौरान विस्थापित हुए कश्मीरी परिवारों के राहत और पुनर्वास के लिए सरकार 1989–90 में एडहॉक मंथली रीलिफ (एएमआर) शुरू की थी। 16 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में रह रहे कश्मीर लोगों के लिए इसको बढ़ाकर कश्मीरियों के लिए एक बड़ी राहत दी है। इससे पहले 2007 में सरकार ने एएमआर को 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया था। राहत पाने वालों की संख्या भी इस बीच काफी बढ़ी है। शुरू में जितने कश्मीरी परिवार दिल्ली में थे, अब तो उसमें काफी इजाफा हो गया है।

राजधानी के जामिया मिल्लिया इस्लामिया समेत राजधानी के तमाम विश्वविद्यालयों और कालेजों में बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्र–छात्राएं पढ़ते हैं। काफी लोग विभिन्न सरकारी सेवाओं की प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे हैं। सिविल सर्विस से लेकर सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों में काफी कश्मीरी युवक–युवतियां नौकरी भी कर रहे हैं। बड़ी संख्या में घाटी के युवक और युवतियां यहां अपना खुद का व्यवसाय कर रहे है।

दिल्ली के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली से सटे दूसरे शहरों में भी कश्मीर से विस्थापित बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। राजधानी में रह रहे कश्मीरी समुदाय का मानना है कि वर्षों बाद उनमें एक उम्मीद की किरण जगी है। घाटी से विस्थापन के बाद कश्मीरी दंपतियों के दिल्ली में जन्म लेने वाले बच्चे भी अब बड़े हो गये हैं। वे भी अब अपने पूर्वजों की जगह कश्मीर को जाकर देखना चाहते हैं।

इस बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार जम्मू–कश्मीर से सशस्त्र बल विशिष्ट शक्ति (विशेष शक्तियाँ) अधिनियम कानून (एएफएसपीए) को भी रद्द करने पर विचार कर रही है। सरकार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर से सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बना रही है और कश्मीर की कानून व्यवस्था को अब पूरी तरह जम्मू–कश्मीर पुलिस के हवाले किया जाएगा। सरकार भी मान रही है कि जम्मू कश्मीर में आतंकियों का मूवमेंट कम हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि आतंकवाद में 80 फीसदी कमी आई है। पत्थरबाजी की घटनाएं तो पूरी तरह खत्म ही हो गई हैं । बंद, प्रदर्शन और हड़तालें भी नहीं हो रही हैं। गृह मंत्री ने कहा, 2010 में पथराव की 2564 घटनाएं हुई थीं, जो अब शून्य हैं। 2004 से 2014 तक मौतों की कुल संख्या 2829 थी और 2014–23 के दौरान यह घटकर 915 हो गई है। यह 68 प्रतिशत की कमी है। नागरिकों की मृत्यु 1770 थी और घटकर 341 हो गई है, जो 81 प्रतिशत की गिरावट है। सुरक्षा बलों की मौतें 1060 से घटकर 574 हो गईं, जो 46 प्रतिशत की कमी है। मोदी सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 12 संगठनों पर प्रतिबंध लगाया है। 36 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। टेरर फंडिंग को रोकने के लिए 22 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं और 150 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है। 90 संपत्तियां भी कुर्क की गईं और 134 बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। एक बात बहुत साफ है कि सरकार देश विद्रोही ताकतों को कुचलने के लिए तैयार है और जो वार्ता करना चाहता है उसका सदैव स्वागत भी है। हां, उसे वार्ता संविधान के दायरे में आकर करनी होगी। बातचीत की प्रक्रिया में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जैसे अलगाववादी संगठनों का कोई स्थान नहीं है। कहना न होगा कि अब देश बदला–बदला सा जम्मू–कश्मीर देख रहा है।

– लेखक पूर्व सांसद हैं।

मुद्दा

चुनाव भारत में और बवाल पाकिस्तान में

.बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

चुनाव भारत में हो रहा है और बवाल पाकिस्तान में मचा हुआ है। पाक मीडिया लगातार मोदी की जीत को लेकर अपने देश पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करने में जुटा है। पाकिस्तान की भारत के चुनाव में एंट्री हो गई है। पाकिस्तान की तरफ से चुनाव को लेकर बयानबाजी शुरू कर दी गई है। कुछ लोग पाक के रिश्तों को खंगाल रहे है तो कुछ मोदी का गुणगान कर रहे है। भारत और पाक की प्रगति का बखान किया जा रहा है। भारत के उत्तरोत्तर विकास के मुकाबले पाक की कंगाली पर लोग अपने विचार व्यक्त कर रहे है। लोगों का मानना है पाक की स्थिति में तभी सुधार होगा जब वह पड़ौसी मुल्कों से अपने रिश्ते सुधारेगा। इसी बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने लोकसभा चुनाव के बाद भारत के साथ संबंधों में बेहतरी की उम्मीद जताई है। इस्लामाबाद में संसद भवन के बाहर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, भारत के साथ हमारे संबंध वहां चुनाव के बाद बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के संबंधों का अपना इतिहास है। पाकिस्तान पूरी दुनिया में आतंकवाद का गढ़ है। भारत और पाकिस्तान के बीच आजादी के बाद से चार बार युद्ध हो चुके हैं। हर युद्ध में पाकिस्तान को करारी हार झेलनी पड़ी है, इसके बावजूद वह लगातार नापाक कोशिशें करता रहा है। पाकिस्तान लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद की बात करने की जगह भारत के खिलाफ जहर उगलने में समय बर्बाद करता है। पाकिस्तान के साथ दिक्कत ये है कि वहां के नेताओं के पास इस वक्त कोई मुद्दा नहीं है। घर के अंदर और घर के बाहर पाकिस्तान हर मोर्चे पर जिस

तरह से घिरा हुआ है। आज के पहले उसकी कभी इतनी बुरी हालत नहीं थी. चुनाव के बाद भी वहां राजनीतिक स्थिरता बहाल नहीं हो पाई है। पाकिस्तान खुद को हारा हुआ महसूस कर रहा है । पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली की हालत पूरी दुनिया के सामने आ चुकी है। आटे दाल से लेकर पेट्रोल तक के भाव आसमान छू रहे हैं। महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। पाकिस्तान में महंगाई को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लोग सरकार के विरोध में खुलकर बोल रहे हैं. वहां खाने–पीने की चीजों की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। आटा और रोटी इतनी महंगी हैं कि आम लोग खरीद नहीं पा रहे हैं। कराची में एक दुकान चलाने वाले अब्दुल हामीद ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, खाने–पीने के सामान की कीमतें बढ़ रही हैं। हम अपने परिवार को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पा रहे, लेकिन हमारे नेता मजे कर रहे हैं। हमने गलत लोगों को वोट दे दिया। वो हमारी जरूरतों पर ध्यान दिए बगैर मजे कर रहे हैं।

पाक मीडिया के मुताबिक, कराची में एक किलो आटा फिलहाल 800 रुपये रुपये में मिल रहा है। पहले यह 230 रुपये में मिलता था। एक रोटी की कीमत 25 रुपये पहुंच गई है, हालांकि यह पाकिस्तानी करंसी में है, अगर भारतीय करंसी के हिसाब से देखें तब भी एक किलो आटा 238 रुपये का है। बता दें कि भारत का एक रुपया पाकिस्तान के 3.45 रुपये के लगभग बराबर है। पाकिस्तान के अखबार डॉन के मुताबिक, इस वक्त पाकिस्तान में जबरदस्त महंगाई है। यहां महंगाई दर 38 फीसदी तक बढ़ गई है, जो साउथ एशिया में सबसे ज्यादा है। खाद्य महंगाई दर भी 48 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 2016 के बाद सबसे ज्यादा है। इन सबके बीच अब पाकिस्ताान को भारत याद आने लगा है। वहां के एक्सपटर्स भारत के साथ संबंध सुधारने की बात करने लगे हैं।

नजरिया

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागत योग्य फैसला

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति–रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक–संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी गाने और डांस', शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्टस की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजेक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज–व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन–देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है।

न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति–रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह–संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे–दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है।

हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है – विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म–जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता।

अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक सम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य काम' के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे–धीरे मोक्ष' की ओर बढ़ना है। एक पुरुष और महिला के जीवन में कई महत्वपूर्ण चीजें शादी से जुड़ी होती हैं; उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला के बीच प्यार, उनका रिश्ता, संतान, उनके माता–पिता, उनके जीवन में विभिन्न सुखद घटनाएं, सामाजिक स्थिति और समृद्धि। हिंदू समाज में एक विवाहित महिला को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उसके माथे पर कुमकुम–सिन्दूर के साथ एक महिला की दृष्टि, उसके गले में एक मंगलसूत्र पहने हुए, हरी चूड़ियाँ, पैर के अंगूठे के छल्ले और छह या नौ–यार्ड साड़ी स्वचालित रूप से एक पर्यवेक्षक के मन में उसके लिए सम्मान उत्पन्न करता है। हिंदू विवाह के सात वचनों में से, कम से कम तीन ऐसे हैं, जहां जोडे अपने बुजुर्गों की देखभाल करने का वादा करते हैं। पांचवां वचन अपनी संतान पैदा करने और उसकी देखभाल करने का है।

हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है, डेटिंग संस्कृति की शुरुआत के साथ, लव–मेरिज का प्रचलन बढ़ा है। संभावित दूल्हा और दुल्हन अपने दम पर जीवनसाथी चुनना पसंद करते हैं। आज के रोमांटिक–रिश्ते वास्तव में विवाह नहीं हैं, बल्कि एक नई प्रथा है, जिसके विपरीत प्रभाव से परिवार–संस्था बिखरने लगी है। विवाह के साथ प्रीवेडिंग का प्रचलन भी अनेक विकृतियों का वाहक बना है, बड़े–बडे भव्य आयोजन एवं होटल संस्कृति ने भी विवाह की पवित्रता को धुंधलाया है। आयोजनों में शराब एवं अन्य नशों का बड़ा प्रचलन भी दुर्घटनाओं का कारण बना है। जिनके कारण विवाह होने से पहले ही उसमें दरारें पड़ते हुए देखी गयी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन ने चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से नमूने एकत्र करने के लिए अपना चंद्र अन्वेषण मिशन भेजा

बीजिंग/वेंचांग/भाषा। चीन ने पहली बार चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से नमूने एकत्र करने और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए उन्हें पृथ्वी पर लाने के मकसद से शुक्रवार को एक चंद्र अन्वेषण मिशन भेजा। यह पूरा मिशन 53 दिनों का है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार, चांग-6 मिशन पृथ्वी के कभी सम्मुख नहीं आने वाले चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से नमूने एकत्र करेगा और उन्हें लेकर पृथ्वी पर लौटेगा। चंद्रमा पर मानव अन्वेषण के इतिहास में ऐसा पहली बार किया जा रहा है। 'चांग' चंद्र अन्वेषण का नाम चीन के मिथकों में मिलने वाली एक देवी के नाम पर पड़ा है। चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से को पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता है।

प्रक्षेपण के एक घंटे बाद, एक अधिकारी ने घोषणा की कि चांग-6 का प्रक्षेपण पूरी तरह से सफल रहा है। चीन के चंद्र मिशन को लॉंग मार्च-5 वाई8 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित दिया गया। यह रॉकेट चीन के हैनान प्रांत के तट पर स्थित वेंचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। सीएनएसए के अनुसार, चांग-6 में चार उपकरण- ''ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल'' हैं। इस मिशन के जरिये चंद्रमा पर धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र करने के बाद एसेंडर उन्हें ऑर्बिटर तक पहुंचाएगा, जो नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल को स्थानांतरित करेगा। इसके बाद, यह मॉड्यूल इन नमूनों को पृथ्वी पर लाएगा।

सीएनएसए ने इससे पहले कहा था कि मिशन का उद्देश्य स्वचालित तरीके से नमूने एकत्र करना और फिर चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से उन्हें लेकर लौटने जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में सफलता हासिल करना है। सीएनएसए ने घोषणा की है कि फ्रांस, इटली और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी/स्वीडन के वैज्ञानिक उपकरण चांग-6 के लैंडर पर होंगे तथा ऑर्बिटर पर एक पाकिस्तानी उपकरण होगा।

यह पहला मौका है जब चीन ने अपने चंद्र मिशन में अपने मित्र देश पाकिस्तान का एक ऑर्बिटर शामिल किया है। पाकिस्तान से प्राप्त खबरों में इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी (आईएसटी) के हवाले से कहा गया है कि उपग्रह आईसीयूबीई-क्यू को चीन के शंघाई विश्वविद्यालय और पाकिस्तान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको के सहयोग से आईएसटी द्वारा डिजाइन एवं विकसित किया गया है।

चांग-5 चंद्र अन्वेषण मिशन के जरिये चंद्रमा के नजदीकी हिस्से से पृथ्वी पर नमूने लाए गए थे।

सात महिलाओं ने शांति का संदेश देने के लिए सिर मुंडवाकर साइकिल रैली निकाली

इंफाल/भाषा। एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन में, सात महिलाओं ने शुक्रवार को जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति और एकता का संदेश फैलाने के लिए अपने सिर मुंडवाए और एक साइकिल रैली निकाली।

काले कपड़े पहनीं इन महिलाओं ने इंफाल के मध्य में एक सीमांत गांव सेकमाई से कांगला तक कम से कम 19 किमी की दूरी तय की। सात महिलाओं के साथ आई एक अधेड़ उम्र की महिला के. शांति ने कहा, बाल मुंडवाना एक प्रतीकात्मक संकेत है। ऐसा करने का उद्देश्य चुराचांदपुर और कांगपोकपी के निकटवर्ती पहाड़ी इलाकों में स्थित उग्रवादियों द्वारा इंफाल घाटी के सीमांत क्षेत्रों पर समय-समय पर होने वाली गोलीबारी को रोकने में सरकार की असमर्थता का विरोध करना है। हम सब थक चुके हैं। हम शांति चाहते हैं। कांगला से मीरा पैबी नामक सामाजिक संगठन की नेता एम. सोबिता देवी ने कहा, राज्य में तीन मई को हिंसा का एक साल पूरा हो गया। आज हम एक बार फिर तोरबुंग और फौगाचाओ के किसानों, दिहाड़ी मजदूरों पर हुए नुकसान और अत्याचारों को याद करते हैं, जिन पर चुराचांदपुर की एक सशस्त्र भीड़ ने बिना उकसावे के हमला किया था। महिलाओं ने साइकिलों पर तख्तियां लखा रखी थीं जिस पर लिखा था, हम शांति चाहते हैं, अलग प्रशासन नहीं, क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करें।

संबोधन

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला शुक्रवार को श्रीनगर में संसदीय चुनाव-2024 के लिए पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए।

तीन मई 1913 को प्रदर्शित हुई थी पहली भारतीय फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र'

मुंबई/एजेन्सी

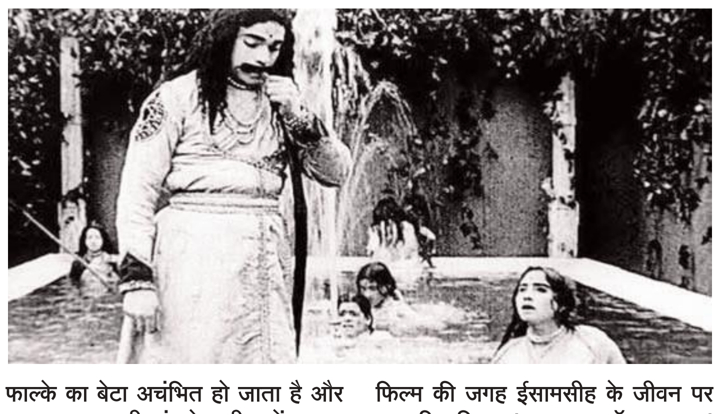

भारतीय सिनेमा जगत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र तीन मई 1913 को को प्रदर्शित हुयी थी। फिल्म राजा हरिश्चंद्र का निर्माण दादा साहब फाल्के मूल नाम धुंडिराज गोविन्द फाल्के ने फाल्के फिल्म कंपनी के बैनर तले किया। फिल्म बनाने में उनकी मदद फोटोग्राफी उपकरण के डीलर यशवंत नाडकर्णी ने की थी। फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' को बनाने में करीब 15 हजार रुपए लगे थे। उस समय के हिसाब से यह बहुत बड़ी धनराशि थी। ऐसे में यदि फिल्म को केवल तीन या चार दिन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा तो वे अपना खर्च कैसे निकालेंगे? इस फिल्म को 21 अप्रैल, 1913 को ओलंपिया थिएटर में कुछ प्रमुख लोगों के सामने प्रदर्शित किया गया था। उसके बाद कोरोनेशन थिएटर के मैनेजर नानासाहेब चित्रे ने फिल्म को प्रदर्शित करने की इच्छा जताई।

वर्ष 1911 में दादा साहेब अपने बेटे के साथ अमेरिका-इंडिया पिक्चर पैलेस में 'अमेजिंग एनिमल्स' नाम की फिल्म देखने पहुंचे थे। स्क्रीन पर जानवरों को देखकर फाल्के का बेटा अचंभित हो जाता है और घर आकर अपनी मां को सारी बातें बताता है।क्योंकि तब के दौर के लिए ये सब कुछ कल्पना जैसा था इसलिए बच्चे की बात पर कोई यकीन नहीं करता. इसलिए अगले दिन दादा साहेब पूरी फैमिली के साथ वहीं फिल्म देखने पहुंचते हैं, लेकिन यहां पर एक ट्विस्ट आ जाता है और यही ट्विस्ट दादा साहेब फाल्के की पूरी जिंदगी बदल देता है। दरअसल होता ये है कि जिस दिन फाल्के फैमिली फिल्म देखने पहुंचती है, उस दिन ईस्टर था। इसलिए थियेटर में जानवरों वाली फिल्म की जगह ईसामसीह के जीवन पर आधारित फिल्म 'द लाइफ ऑफ क्राइस्ट' दिखाई जाती है। इस फिल्म को एक फ्रेंच डायरेक्टर ने बनाया था।जब थियेटर में बैठकर दादा साहेब फाल्के ने द लाइफ ऑफ क्राइस्ट देखी तो उनके मन में फिल्मों को लेकर कई कौतूहल जागे। फाल्के ने सोचा कि ऐसी फिल्म तो भारतीय परिदृश्य पर भी बनाई जा सकती है,इसलिए वापस आते ही उन्होंने फिल्म बनाने के तरीकों पर रिसर्च शुरू कर दी। फिल्म राजा हरिश्चंद्र स्क्रिप्ट तैयार हो गई और कास्टिंग के लिए अखबारों में विज्ञापन दे दिए गये। इसके बाद अभिनय के लिए पुरुष कलाकार तो मिल गए लेकिन फिल्म के लिए एक भी महिला तैयार नहीं हुई। कहा जाता है कि इसके लिए दादा साहेब फाल्के मुंबई के रेड लाइट एरिया में भी गए लेकिन कोई महिला फिल्म में काम करने को तैयार नहीं थी. बाद में एक तवायफ राजी तो हुई लेकिन ऐन मौके पर उसके मालिक ने धोखा दे दिया।हताश और परेशान फाल्के एक ईरानी रेस्त्रां में चाय पीने पहुंचे तो उनकी नजर एक गोरे और दुबले-पतले रसोइये पर पड़ी। उसका नाम था अण्णा हरी सालुंके। अण्णा को पांच रूपये महीने के मिला करते थे। दादा साहब फाल्के ने उन्हें पांच रूपये रोज देने का वादा किया।दादा साहेब फाल्के ने उससे बात कर फिल्म में काम करने के लिए मना लिया. सालुंके की दाढ़ी-मूंछ कटवा दी गई और इस तरह भारतीय सिनेमा को उसकी पहली अभिनेत्री मिली। फिल्म में राजा हरिश्चंद्र का किरदार दत्तात्रेय दामोदर दबके, पुत्र रोहितश्व का किरदार दादा फाल्के के पुत्र भालचंद्र फाल्के जबकि रानी तारामती का किरदार रेस्ट्रारेंट में बावर्ची के रूप में काम करने वाले व्यक्ति अन्ना सालुंके निभाया था।

गाजा में जो विध्वंस हुआ, वैसा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखा गया था : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजराइल के हमले की वजह से गाजा में जैसा विध्वंस हुआ है वैसा दुनिया ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखा था।

विश्व निकाय ने यह भी कहा कि अगर लड़ाई आज खत्म हो जाए तो इजराइल की बमबारी और जमीनी हमले में तबाह हुए मकानों के पुन:निर्माण में कम से कम 2040 तक का समय लगेगा।

संयुक्त राष्ट्र के बृहस्पतिवार को जारी एक आकलन में कहा गया है कि सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में हमास के अचानक किए गए हमले के बाद शुरू हुए युद्ध का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है।

इसमें कहा गया है कि गाजा की करीब 23 लाख आबादी का पांच प्रतिशत इतने कम समय में हताहत हुआ और यह अप्रत्याशित है। आकलन के अनुसार, अप्रैल के मध्य तक 33,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए थे और 80,000 से अधिक घायल हुए थे। लगभग 7,000 अन्य लोग लापता हैं, और माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर लोग मलबे में दब गए।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के प्रशासक अचिम स्टीनर ने कहा, युद्ध जारी रहने की वजह से गाजा के लोगों और सभी फलस्तीनियों को हर दिन भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

यूएनडीपी और पश्चिमी एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग की रिपोर्ट से पता चलता है कि गाजा में लोगों को किस तरह का भयावह संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से यहां 2,01,000 लोगों की नौकरियां चली गई हैं। यहां 2023 की आखिरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 81 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अरब देशों के लिए यूएनडीपी के क्षेत्रीय निदेशक अब्दुल्ला अल दरदारी ने संयुक्त राष्ट्र के एक संवाददाता सम्मेलन में रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि अनुमान है कि इस युद्ध में गाजा में लगभग 50 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश नष्ट हो गया है, और 18 लाख फलस्तीनी गरीबी में चले गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक 20 साल से अधिक पीछे जा चुका है।

रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि 2024 में गाजा की जीडीपी 51 फीसदी तक घट सकती है। नुकसान का दायरा और भी बढ़ने की आशंका जताई गई है क्योंकि अभी युद्ध जारी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में कम से कम 3,70,000 आवास इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इनमें से 79,000 पूरी तरह से नष्ट हो गईं। व्यावसायिक इमारतें भी इनमें शामिल हैं।

नामांकन

नई दिल्ली में शुक्रवार को चांदनी चौक संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवीण खंडेलवाल पार्टी नेताओं पीयूष गोयल और हर्ष वर्धन के साथ शुक्रवार को नई दिल्ली में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने जाते हुए।

'अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी वेबसीरीज पंचायत 3'

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो की सबसे चर्चित वेब सीरीज में शामिल पंचायत का तीसरा संस्करण पंचायत 3 , 28 मई पर रिलीज होगी। वेब सीरीज पंचायत 3 दस्तक देने को तैयार है। दो सुपरहिट सीजन के बाद पंचायत का तीसरा सीजन भी एंटरटेनमेंट का डोज देने के लिए तैयार है। पंचायत के पिछले दो सीजन में फुलेरा गांव निवासी अलग- अलग चुनौतियों से जूझते हुए नजर आए थे।

अब नए सीजन के साथ सीरीज नया मोड़ लेगी यानी फुलेरा गांव में फिर से उथल-पुथल मचने वाली है। पंचायत 3 के साथ जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय और संविका वापसी करेंगे। पंचायत का प्रोडक्शन द वायरल फीवर ने किया है। वहीं, सीरीज को दीपक कुमार मिश्रा ने निर्देशित किया है, जबकि चंदन कुमार ने पंचायत 3 की कहानी लिखी है। वेबसीरीज पंचायत 3 ,अमेजन प्राइम वीडियो पर 28 मई को रिलीज होगी।

'शेखर कम्मुला के कुबेर' से फर्स्ट लुक जारी किया

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी ने आईपीएल 2024 के प्रसारण के बीच 'शेखर कम्मुला के कुबेर' से फर्स्ट लुक जारी किया। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शेखर कम्मुला की बहुप्रतीक्षित सामाजिक ड्रामा, 'शेखर कम्मुला के कुबेर' को सबसे प्रतीक्षित आगामी पौराणिक पैन इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है। नागार्जुन अक्किनेनी की फिल्म से आधिकारिक फर्स्ट लुक को विशेष रूप से स्टार स्पोर्टर्स पर जारी किया गया। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स आईपीएल गेम के दौरान प्रीमियर किए गए, किंग नागार्जुन अक्किनेनी के फर्स्ट लुक में उन्हें रहस्य के साथ एक शक्तिशाली मुद्रा में दिखाया गया है। वे भारी बारिश में एक छतरी के नीचे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं, उनके चारों ओर नकदी से भरे ट्रक हैं, जो फिल्म के शीर्षक कुबेर का प्रतीक है, जिसे धन के देवता के रूप में जाना जाता है। शर्ट, ट्राउजर और स्पोर्टिंग चश्मा पहने इस अभिनेता ने इस सोशल ड्रामा से काफी उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

इससे पहले, 'शेखर कम्मुला की कुबेर' से अभिनेता धनुष का पहला लुक सामने आया था, जिसे देशभर के दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली।शेखर कम्मुला की 'कुबेर' में धनुष, किंग नागार्जुन अक्किनेनी, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ जैसे कलाकार हैं। फिल्म का निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव ने मिलकर किया है।

'पुकार - दिल से दिल तक' में मुख्य भूमिका निभाएंगी सायली सालुंखे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सायली सालुंखे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के आगामी शो 'पुकार – दिल से दिल तक' में, मुख्य भूमिका निभाएंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न अपने आगामी शो 'पुकार दिल से दिल तक' के साथ दर्शकों का दिल जीतनेके लिए तैयार है, जो प्यार, नुकसान, और मुक्ति की सम्मोहक कहानी है। यह शो जयपुर की पृष्ठभूमि परआधारित है, जहां आधुनिकता परंपरा में समाहित है। यह शो एक मां और उसकी दो बेटियों के जीवन की कहानीहै, जिन्हें एक भयावह योजना ने क्रूरतापूर्वक अलग कर दिया है। सायली सालुंखे को वेदिका की मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जो स्वतंत्र, धार्मिक औरदृढ़निश्चयी आधुनिक युवती की भूमिका है। सायली सालुंखे पुकार दिल से दिल तक में वेदिका का किरदार निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह मनोरंजक कहानी निश्चित रूप से दर्शकों को टीवी के सामने बांधे रखेगी, जैसा कि कहानी सुनते समय मेरे साथ हुआ था। एक मां और उसकी दो बेटियों का सफर, जो उतार-चढ़ाव से भरा हुआ है, उनके अतीतके रहस्यों को प्रदर्शित करेगा, साथ उन्हें उस बॉन्ड को फिर से बनाना होगा जो कभी टूट गया था, जिससे यह शोज़रूर देखने योग्य बन जाता है। मैं पहली बार किसी वकील का किरदार निभा रही हूं, और न्याय को लेकर उसकीमजबूत भावना मुझे प्रभावित करती है। वेदिका के किरदार और सफर को दिलचस्प बनाने वाली बात यह है किकिस तरह से वह अपनी अंदरूनी लड़ाई लड़ते हुए अपने वर्तमान और अतीत का सामना करेगी। एक अभिनेत्रीके रूप में, विभिन्न शेड्स वाले नए किरदारों को निभाने से मुझे चुनौती मिलती है; स्क्रीन पर हर पल आत्म-चिंतन और विकास का सफर है और मुझे उम्मीद है कि मेरे फैंस इस नई भूमिका में मेरा समर्थन करेंगे। 'पुकार – दिल से दिल तक' जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा।

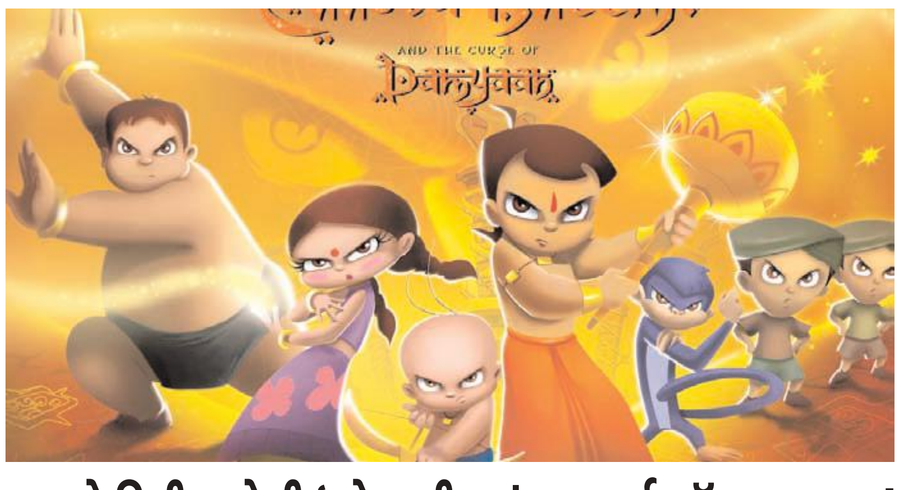

31 को रिलीज होगी 'छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान'

मुंबई/एजेन्सी

बच्चों के सुपरहीरो छोटा भीम पर आधारित छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान 31 मई को रिलीज होगी। एनिमेटेड कार्टून 'छोटा भीम' ने छोटे पर्दे पर खूब धमाल मचाया है। बच्चों का यह फेवरेट शो अब फिल्मी दुनिया में भी आने के लिए तैयार है। 'छोटा भीम' अनोखे अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का नाम 'छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान' है।राजीव चिलका के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी नीरज विक्रम ने लिखी है। राजीव ने ही फिल्म को प्रोड्यूस भी किया है। 'छोटा भीम' में अनुपम खेर गुरू शंभु के रोल में नजर आएंगे। 'छोटा भीम' फिल्म में मेन कैरेक्टर का रोल यज्ञ भसीन करेंगे। वहीं, चुटकी के रोल में आश्रिया मिश्रा होंगी। सुरभी तिवारी, टुनटुन मौसी का रोल निभाएंगी।

इस फिल्म में मकरंद देशपांडे, स्कंधी का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान पहले 24 मई को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है। छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान अब 31 मई को रिलीज होगी।

हंसल मेहता की सीरीज 'गांधी' में अभिनय करेंगे 'हैरी पॉटर' के चर्चित अभिनेता टॉम फेल्टन

मुंबई/एजेन्सी

हैरी पॉटर फिल्मों के चर्चित अभिनेता टॉम फेल्टन निर्देशक हंसल मेहता की बहुप्रतीक्षित सीरीज गांधी में अभिनय करेंगे। मेहता ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की।

लेखक जे. आर. रॉलिंग की पुस्तकों पर आधारित आठ हैरी पॉटर फिल्मों में ड्रेको मेलफॉय की भूमिका निभाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल करने वाले फेल्टन गांधी सीरीज में सात अन्य कलाकारों-- लिबी माइ, मॉली राइट, राल्फ एडेनियी, जेम्स मर्रे, लिंडन एलेक्जेंडर, जोनो डेवीस और सिमोन लेनन -- के साथ अभिनय करते नजर आएंगे।

मेहता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम शूटिंग कर रहे हैं। टॉम फेल्टन, लिबी माइ, मॉली राइट, राल्फ एडेनियी, जेम्स मर्रे, लिंडन एलेक्जेंडर, जोनो डेवीस और सिमोन लेनन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों से सजी सीरीज का निर्देशन करने को लेकर उत्साहित हूं। अभिनेता प्रतीक गांधी सीरीज में महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं जबकि भामिनी ओझा कस्तूरबा गांधी का किरदार अदा कर रही हैं। यह सीरीज अप्लॉज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है। यह सीरीज इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा की पुस्तकों – गांधी बिफोर इंडिया और गांधी: द इयर्स दैट चेंज्ड द वर्ल्ड पर आधारित है। फेल्टन (36) ने एक बयान में कहा, लंदन में महात्मा गांधी के आरंभिक वर्षों की कहानी बताने वाली इस सीरीज का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। यह इतिहास का महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखाया गया। हंसल और प्रतीक के साथ काम करना सम्मानजनक और उत्साहजनक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 04-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता ने हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती।

आरवाइए की जीसी भंसाली रॉलिंग वालीबॉल व थ्रोबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) की खेलकूद शाखा द्वारा जीसी भंसाली रॉलिंग वालीबॉल एवं थ्रोबाल प्रतियोगिता का आयोजन एग्मोर स्थित मेयर राधाकृष्णन इनडोर स्टेडियम में किया गया। जिसमें 70 से ज्यादा सदस्यों ने अपनी खेलकूद प्रतिभा का परिचय दिया। प्रेसिडेंट एस. जैन सुधीर व सेक्रेटरी भरत एस. चौरड़िया की टीमों के बीच वालीबॉल का मैच खेला गया। मैच में सेक्रेटरी टीम को विजेता घोषित किया गया। संजय भंसाली ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की। साथ ही महिला सदस्यों ने थ्रोबाल प्रतियोगिता में अपने हाथ आजमाए। आरवाइए के अध्यक्ष सुधीर एस जैन ने इस मौके पर कहा कि खेलकूद के आयोजन से आपसी सौहार्द एवं भाईचारा बढ़ता है।

इस आयोजन में खेलकूद शाखा के चेयरपर्सन्स विनय सुराणा, राजेश बोहरा, दिलीप बांठिया एवं ज्ञानेश जैन, विवेक बम्ब, श्रीपाल जैन का सकारात्मक सहयोग रहा। इस मौके अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पाक सेना के लिए अब बस 'मेरी हत्या' करना बाकी है : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश की खराब स्थिति पर दुख जताते हुए कहा है कि शक्तिशाली सैन्य नेतृत्व के लिए अब केवल उनकी हत्या करना बाकी रह गया है। खान ने कहा कि देश की स्थिति इतनी भयावह है कि उनके जैसा नेता जेल में बंद हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत जेल में रखा गया है। ब्रिटेन के 'डेली टेलीग्राफ' अखबार के लिए रावलपिंडी की अदियाला जेल से लिखे गए एक स्तंभ में क्रिकेटर से नेता बने 71-वर्षीय खान ने अपने पिछले दावे को दोहराया कि अगर उन्हें या उनकी पत्नी को कुछ भी हुआ तो इसके लिए सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान ने कहा कि नकदी संकट से जूझ रहा देश खतरनाक चौराहे पर है और सरकार हंसी का पात्र बन गई है। उन्होंने लिखा है, ''सैन्य प्रतिष्ठान ने मेरे खिलाफ वह सब कुछ किया जो वे कर सकते थे। अब उनके लिए बस मेरी हत्या करना बाकी है।'' उन्होंने कॉलम में लिखा है, ''मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर मुझे या मेरी पत्नी (बुशरा बीबी) को कुछ भी होता है, तो जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे, लेकिन मैं डरता नहीं हूं, क्योंकि मेरा विश्वास मजबूत है। मैं गुलामी के बजाय मौत को प्राथमिकता दूंगा।'' पाकिस्तान के अस्तित्व के 75 से अधिक वर्षों की आधी से अधिक अवधि तक देश पर शासन करने वाली शक्तिशाली सेना ने सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में व्यापक शक्ति का इस्तेमाल किया है। हालांकि, सेना ने देश की राजनीति में हस्तक्षेप से इनकार किया है।

खान ने चेतावनी दी कि देश उसी रास्ते पर चल रहा है, जिस पर वह 1971 में चला था, जब उसने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) खो दिया था। खान ने कहा कि सैन्य उद्देश्यों के लिए अमेरिका को हवाई क्षेत्र और संबंधित सुविधाओं तक पहुंच के प्रावधान के बदले सैन्य प्रतिष्ठान की अमेरिका से निर्विवाद समर्थन की उम्मीद मानवाधिकार के मसले पर अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद से धूमिल हो गयी है।

जीतो साउथ द्वारा 'जैन गॉट टैलेंट' का आयोजन 8 व 9 जून को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समाज की प्रतिभाओं को आगे लाना ही कार्यक्रम का उद्देश्य : दिनेश बोहरा

बेंगलूरु। जैन समाज में प्रतिभाओं की भरमार है और समय-समय पर इन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया है। ऐसी छुपी प्रतिभाओं को सार्वजनिक रूप से सामने लाना एवं प्रतिभा प्रदर्शन का उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर द्वारा 8 व 9 जून को जैन गॉट टैलेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए साउथ चैप्टर के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रतिभा प्रदर्शन से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की सुगम राह मिलेगी। महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने इस अवसर पर आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि जैन गोट टैलेंट में एकल व समूह नृत्य तथा एकल व समूह गायन कला के साथ साथ सेंड आर्ट, अभिनय, वाद्य यंत्र, स्टेंड अप कॉमेडी, कलाबाज़ी, जादू, कविता व अन्य विशेष कला की श्रेणियों का समावेश रहेगा। उनके अनुसार सभी श्रेणियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली 10 प्रतिभाशाली फाइनल में प्रवेश करेंगे जिनको 9 जून को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होगा। आयोजन का सेमीफाइनल 7जून को होगा।

जीतो साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी ने कहा कि 12 से 21 वर्ष तथा 22 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वर्गों के प्रतिभागियों को प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। उन्होंने जानकारी दी कि भारत भर से प्रतिभा संपन्न जैन कलाकारों को इस आयोजन का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान किया जा रहा है, साथ ही उन्होंने बताया कि विजेता को 2 लाख, उपविजेता को 1 लाख तथा सभी फ़ाइनलिस्ट को 50 हजार की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जायेगी। इस अवसर पर महिला महामंत्री मोनिका पिरगल विनायकिया ने कहा कि इस आयोजन हेतु महिलाओं में विशेष उमंग है। युवा अध्यक्ष पिंकेश मेहता व उपाध्यक्ष पद्मा बोहरा के अनुसार इन कलाओं में माहिर कलाकारों को प्रतिभा प्रदर्शन का जीतो स्वर्णिम अवसर उपलब्ध करवा रहा है। जैन गॉट टैलेंट टीम में महिला विंग उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, सहसचिव संगीता पारेख, अर्पिता लधानी, अस्मिता चौहान, बिंदु मेहता, नीलम सांड, निधि पालरेचा, निशा टुकलिया, नीतू जैन, प्रिया गांधी, सपना चोपडा, तरुण मेहता व उर्मिला बरडिया को शामिल किया गया।

जैन गॉट टैलेंट के पोस्टर विमोचन के अवसर पर जीतो नॉर्थ की महिला विंग अध्यक्ष बिंदु रायसोनी व महामंत्री सुमन वेदमुथा के साथ साउथ महिला उपाध्यक्ष बबिता रायसोनी, कार्यकारिणी सदस्य रेखा जैन, साक्षी नाहर, लता बोहरा, प्रतिमा जैन, वसंती जैन, संगीता मालानीं, ललिता नागोरी, पुष्पा गुलेच्छा इत्यादि उपस्थित थे।

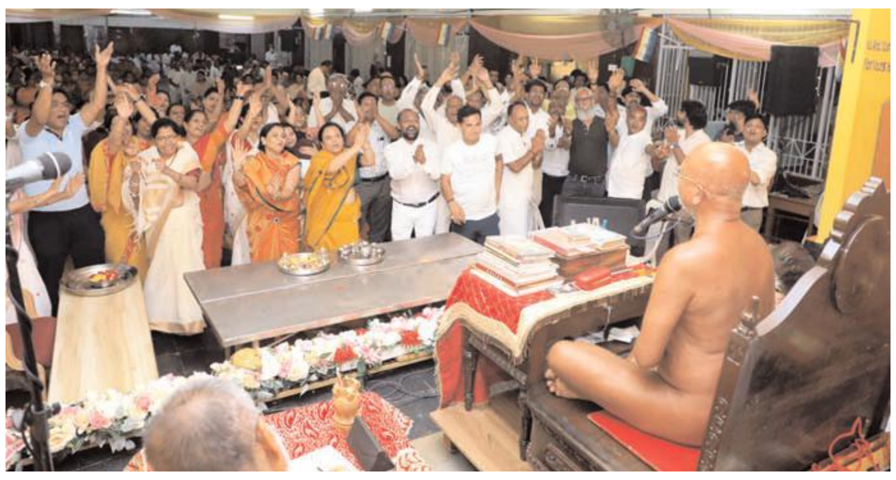

'चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना ही स्वयं में परमात्मा का जन्म है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी मुनिश्री अपने चतुर्विध संघ के साथ बेंगलूरु की ओर विहाररत है। मद्दूर के एचके वीरन्ना गौड़ा कॉलेज में आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी, उपाध्यायश्री पीयूषसागरजी, प्रवर्तक डॉ मुनिश्री सहजसागरजी के सान्निध्य में शुक्रवार को जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर श्री मुनिसुव्रत नाथ भगवान के जन्म और तप कल्याण महामहोत्सव पर विशेष पूजा, आराधना भक्तिपूर्वक संपन्न हुई। प्रवर्तक मुनि सहजसागरजी ने मुनिसुव्रत भगवान की जन्मभूमि राजगृह नगरी की महिमा के अचिंत्य वैभव की महिमा का बखान किया। उपाध्यायश्री पीयूषसागरजी ने आचार्य जिनसेनस्वामी विरचित श्री जिनसहस्रनाम और आचार्य समंतभद्र विरचित स्वयंभू स्तोत्र का पाठ कराया। आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी ने धर्मोपदेश देते हुए कहा कि मनुष्य की चेतना अगर उदात्त और ऊर्ध्वमुखी हो जाए तो उसका यह अंकुरण ही स्वयं में परमात्मा का जन्म है। प्रेम शब्द में सब कुछ छुपा है। प्रेम में घृणा, बैर, दुश्मनी, अहंकार, ममकार सब कुछ हो जाता है। अतः प्रेम ही प्रभु है, आत्मा का आनंद है, प्रेम शब्द की अभिव्यक्ति नहीं, अनुभूति होती है। निःस्वार्थ प्रेम की धारा परिवार, पड़ोस, समाज, राष्ट्र के प्रति, मानवता के प्रति समस्त सीमाओं का अतिक्रमण कर सभी प्राणियों में बहने लगती है, तब यह अहिंसा परमो धर्म, आत्मिक प्रेम, अभयदान रूप मैत्री कहलाती है। प्रेम जीवन में हर्ष, प्रसन्नता व खुशियों को लाता है। यदि हम प्रत्येक प्राणी के भीतर गुण देखें , अच्छाई ग्रहण करें तो निश्चित हमारे अधरों पर मुस्कुराहट का जन्म होगा ।

इनस्पेस ने अंतरिक्ष नीति को लागू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष नियामक 'इनस्पेस' ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मानदंडों, दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं का अनावरण किया, जिसने इस क्षेत्र को निजी कंपनियों के वास्ते उपग्रहों के निर्माण और प्रक्षेपण से लेकर जमीनी स्टेशन स्थापित करने तथा दूर संवेदी विवरण साझा करने सहित कई गतिविधियों में शामिल होने के लिए खोल दिया है। संबंधित 147 पृष्ठ का दस्तावेज उन अंतरिक्ष गतिविधियों को सूचीबद्ध करता है जिन्हें भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) से मंजूरी की आवश्यकता होती है। मानदंड, दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं (एनजीपी) भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में एक पूर्वानुमानित नियामक व्यवस्था, पारदर्शिता और व्यापार करने में सुगमता प्रदान करने में सरकार के प्रयास का पूरक होंगी। एनजीपी दस्तावेज के अनुसार, भारतीय या विदेशी कोई भी कंपनी अगर भारतीय क्षेत्र, इसके विशेष आर्थिक क्षेत्र या इसके अधिकार क्षेत्र से अंतरिक्ष गतिविधियाँ चलाएगी तो उसे इनस्पेस से मंजूरी की आवश्यकता होगी।

मंजूरी गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला के लिए आवश्यक है जिसमें भारतीय क्षेत्र में प्रक्षेपण, संचालन, मार्गदर्शन, अंतरिक्ष वस्तुओं के पुन: प्रवेश की योजना बनाना, संचार और दूर संवेदी उपग्रहों की स्थापना, अंतरिक्ष परिवहन प्रणालियों का संचालन और उच्च गुणवत्ता वाले दूर संवेदी डेटा का प्रसार करना शामिल है। एनजीपी दस्तावेज में कहा गया है, केवल भारतीय कंपनी ही मंजूरी के लिए इनस्पेस पर आवेदन कर सकती है। भारत में अंतरिक्ष गतिविधि संचालित करने की इच्छुक गैर-भारतीय कंपनियां किसी भारतीय इकाई के माध्यम से अनुमति के लिए इनस्पेस पर आवेदन कर सकती हैं, जो इसकी भारतीय सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई अन्य सहयोग व्यवस्था हो सकती है।

प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

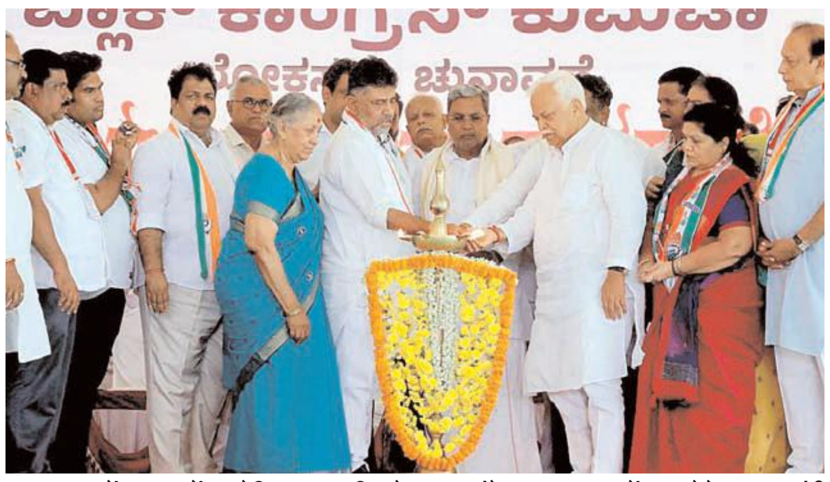

उत्तर कन्नड़ में कुम्मटा में आयोजित प्रजाध्वनि2 के तहत कांग्रेस चुनाव प्रचार में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य।

एप्पल ने भारत में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की : टिम कुक

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने भारत में मजबूत दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और मार्च तिमाही में नया राजस्व रिकॉर्ड बनाया है।

कुक ने कहा कि भारतीय बाजार पर ''मुख्य तौर पर ध्यान'' दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एप्पल, डेवलपर से लेकर बाजार तथा परिचालन तक पूरे परिवेश तंत्र पर काम कर रहा है और वह वृद्धि आंकड़ों से ''बेहद खुश'' है। उन्होंने टेक कंपनी की दूसरी तिमाही की आय में भारत के योगदान पर कहा, हमने (भारत में) मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की। हम इससे बेहद खुश हैं। यह हमारे लिए मार्च तिमाही का नया राजस्व रिकॉर्ड है। जैसा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है..मैं इसे एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार के रूप में देखता हूं और यह हम मुख्य तौर पर इस पर ध्यान दे रहे हैं।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान : हुब्बल्ली-धारवाड़ लोकसभा के उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी के पक्ष में लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए आए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को जमकर चुनाव प्रचार किया तथा जोशी के पक्ष में वोट की अपील की। इस मौके पर कर्नाटक कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष प्रसाद शेट्टी, प्रह्लाद जोशी और विधायक महेश टेंगिनकाई, भाजपा के विविध भाषा कमेटी सदस्य विनोदकुमार पटवा, संजय नायक, मिथुन आदि ने एकनाथ शिंदे का सम्मान किया।

भाजपा नेता इमरती देवी पर टिप्पणी के लिए मप्र कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी पर मामला दर्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की नेता इमरती देवी के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। पटवारी की टिप्पणी से विवाद पैदा हो गया और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा सत्तारूढ़ दल के अन्य नेताओं ने इसकी आलोचना की। पटवारी ने इमरती देवी के बारे में अपनी कथित अपमानजनक टिप्पणी से विवाद खड़ा होने पर शुक्रवार को खेद प्रकट किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पटवारी के खिलाफ प्राथमिकी इमरती देवी की शिकायत पर ग्वालियर जिले के डबरा शहर में दर्ज की गई है। सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल होने के बाद विवाद शुरू हुआ। ऑडियो में एक महिला को भिंड और ग्वालियर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन करते हुए सुना जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि यह आवाज ग्वालियर जिले के डबरा से पूर्व विधायक इमरती देवी की है। हालांकि, इमरती देवी ने ऑडियो में उनकी आवाज होने की बात से इनकार किया और इसे ''साजिश'' करार दिया। ऑडियो और पूर्व विधायक के इनकार के बारे में पूछे जाने पर पटवारी ने लोकप्रिय मिठाई इमरती शब्द को लेकर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

कांग्रेस में हर किसी को हार का भय : राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर अनुराग ठाकुर ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने राहुल गांधी को अमेठी के बजाय रायबरेली लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है क्योंकि पार्टी में ऊपर से नीचे तक हर कोई हार से भयभीत है। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने हमीरपुर की सुजानपुर तहसील में पन्ना प्रमुखों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''कांग्रेस पार्टी इन चुनावों में पूरी तरह से हताश और निराश दिख रही है।''

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 'डरो मत' के नारे के साथ शुरुआत की थी, लेकिन अब उन्हें स्वयं हार का डर सता रहा है और इसलिए वे अमेठी लोकसभा सीट छोड़कर वायनाड चले गए, लेकिन उन्हें वहां भी असफल होने का डर था, इसलिए उन्होंने रायबरेली से भी चुनाव लड़ने का फैसला किया। कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी के खिलाफ ठाकुर का बयान ऐसे समय आया है जब राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। सोनिया गांधी ने वर्ष 2004 से 2024 तक रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि वह अब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो गई हैं।

ठाकुर ने कहा कि दोनों स्थानों से राहुल गांधी की हार निश्चित है और ऐसा लगता है कि कांग्रेस के शीर्ष पर सब कुछ ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम (भाजपा) अपने विकास कार्य के रिकॉर्ड, मुद्दों का समाधान करने के संकल्प और विचारधारा के आधार पर चुनाव लड़ते हैं। 2014 और 2019 की तरह, हिमाचल प्रदेश के लोग फिर से भारतीय जनता पार्टी को यहां की सभी चार सीटों पर जीत दिलाएंगे।

पाकिस्तानी समर्थन से साफ है कि 'कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों के साथ' : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पाकिस्तान से कांग्रेस के समर्थन में कथित तौर पर उठी आवाज को लेकर राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') पर निशाना साधते हुए कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि 'कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मनों के साथ' है। यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी और भाजपा जीतते हैं तो देश में दीपावली मनाई जाती है वहीं कांग्रेस की जीत पर पाकिस्तान में जश्न मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि जनता को यह अंतर समझना चाहिए और देश विरोधी तत्वों को नकार देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान देश के दुश्मन नरेन्द्र मोदी के पक्ष में बने माहौल को खराब करने का भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता को देखना चाहिए कि कैसे पाकिस्तान राहुल गांधी का समर्थन कर रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान सरकार के एक पूर्व मंत्री ने पुलवामा की घटना का समर्थन किया था और वही व्यक्ति आज राहुल गांधी का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा ''यह दिखाता है कि मोदी जीतेंगे तो भारत में दीपावली होगी, लेकिन यदि कांग्रेस कहीं पर सफलता प्राप्त करे तो पाकिस्तान प्रफुल्लित होता है। मुख्यमंत्री ने कहा ''कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए पहले देश का विभाजन किया और फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए तुष्टिकरण की नीतियों को आगे बढ़ाया जिसके दुष्परिणाम के चलते देश में अलगाववाद और उग्रवाद चरम पर पहुंचा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण देश में नक्सलवाद भी तेजी से फैला।

उन्होंने कहा ''मोदी सरकार के प्रयासों से आज आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को नियंत्रित किया जा सका है। आज देश में सकारात्मक माहौल है। विकास और कल्याणकारी योजनाओं से अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

चुनावी सभा

पटना में लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए शुक्रवार को चुनावी सभा के दौरान पाटलिपुत्र से भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव के साथ भाजपा के पटना साहिब प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.